सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 230 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 3 जून 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

भीषण ट्रेन हादसे में 288 की मौत

900 से ज्यादा घायल

मौके पर पहुंचे रेल मंत्री, पीएम मोदी ने जताया दुख, एक दिन का राजकीय शोक

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के बालासोर जिले में शुक्रवार को एक भीषण ट्रेन हादसा हो गया। यहां, बहनागा रेलवे स्टेशन के पास तीन ट्रेनों की आपस में टक्कर हो गई। रेल हादसे में अब तक 288 लोगों की मौत हो गई है और 900 से ज्यादा यात्री घायल हुए हैं। फिलहाल मौके पर राहत बचाव कार्य जारी है। अभी मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। हादसे के बाद जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुख जताया है, वहीं, भीषण ट्रेन हादसे के बाद ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने आज एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है।

अधिकारियों ने बताया कि ओडिशा के बहनगाबाजार में हावड़ा से बेंगलुरु जा रही 12864 एक्सप्रेस के कई कोच शुक्रवार शाम करीब 7 बजे पटरी से उतर गए और साथ वाले ट्रैक पर जा गिरे। इसी दौरान, उस ट्रैक पर 12841 शालीमार-चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस आ गई और पलटे डिब्बों से टकरा गई। इससे कोरोमंडल के कई डिब्बे पटरी से उतर गए और बगल के ट्रैक से गुजर रही मालगाड़ी से टकरा गए। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने यात्रियों को निकालना शुरू किया। बाद में एनडीआरएफ, राज्य सरकार और वायुसेना ने

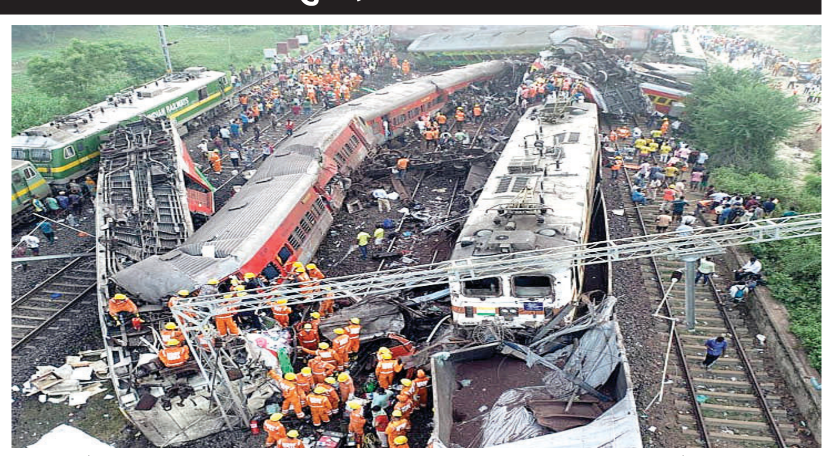

बचाव और राहत कार्य शुरू किया।

हादसे के बाद शनिवार की सुबह रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव मौके पहुंचे और हादसा स्थल का जायजा लिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हादसे की जांच के लिए हाईलेवल कमेटी का गठन किया हे। हमारी पहली प्राथमिकता है कि रेस्क्यू जल्द हो। मृतकों के परिजनों को सूचना भेजी जा रही हे। रेलवे ने इस मामले में मुआवजे का ऐलान कर दिया हैञ जिन परिवारों के सदस्यों की मौत हुई उनके घरों में मदद पहले पहुंचे यही हमारी प्राथमिकता है।

सात कोच पलटे, 15 बेपटरी

हादसे में कोरोमंडल एक्सप्रेस के सात कोच पलट गए, चार कोच रेल बाउंड्री के बाहर चले गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, कुल 15 डिब्बे पटरी से उतर गए हैं। ओडिशा के बालासोर जिले में ट्रेन के पटरी से उतर जाने से प्रभावित खंड में कई ट्रेनें रद्द कर दी गईं जबकि कुछ का मार्ग परिवर्तित कर दिया गया है।

ट्रेन दुर्घटना, जानें स्टेप बाई स्टेप

- बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस हावड़ा की ओर जा रही थी। इसी दौरान शुक्रवार देर शाम इस ट्रेन के कुछ डिब्बे पटरी से उतर गए और बगल के ट्रैक में पलट गए।
- शालीमार-चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस दूसरे ट्रैक से चेन्नई की ओर जा रही थी। यह ट्रेन ट्रैक पर पलटे बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस के डिब्बों से टकरा गई।
- इस टकराव के बाद कोरोमंडल एक्सप्रेस के कुछ डिब्बे पटरी से उतर गए और अगले ट्रैक में एक मालगाड़ी के डिब्बों से टकरा गए।
- बताया जाता है कि यह हादसा बालासोर जिले के बहंगा बाजार स्टेशन पर हुआ, जो कि कोलकाता से दक्षिण में 250 किलोमीटर और भुवनेश्वर से उत्तर में 170 किलोमीटर पर स्थित है।
- अधिकारियों के मुताबिक, बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट के डिब्बे शाम करीब 6.55 बजे पटरी से उतर गए, वहीं कोरोमंडल एक्सप्रेस के डिब्बे 7 बजे पटरी से उतर गए। यानी यह घटना महज पांच मिनट के अंतराल में हुई।

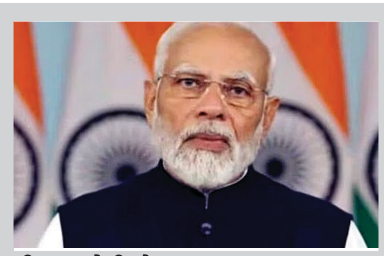

पीएम मोदी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा के बालासोर जिले में हुई ट्रेन दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बात की और स्थिति का जायजा लिया। पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से ट्रेन हादसे में मृतकों के परिजनों को दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

मुआवजे का किया एलान

वहीं, हादसे के बाद रेल मंत्रालय ने मुआवजे का एलान किया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों के लिए दो लाख रुपये और मामूली चोटों वाले लोगों के लिए 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

सीएम बघेल ने ओडिशा के सीएम पटनायक से की बात, हादसे पर जताया दुख

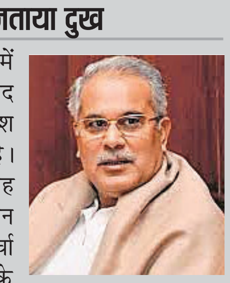

ओडिशा के बालासोर में हुए ट्रेन हादसे के बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल संवेदना जताई है। उन्होंने शनिवार की सुबह ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से फोन पर चर्चा की। उन्होंने ओडिशा के बालासोर जिले में हुए ट्रेन हादसे पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए, अपनी संवेदना प्रकट की। सीएम भूपेश बघेल ने ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक से कहा कि छत्तीसगढ़ की ओर से ओडिशा को हर संभव मदद की जायेगी। सीएम बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोग हताहतों के परिजनों के दुख में साथ खड़े हैं, घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हैं।

स्वर्ण मंदिर के पास बम रखने की सूचना से मचा हड़कंप, पूरे पंजाब में रेड अलर्ट जारी आरोपी सहित उसके बच्चे गिरफ्तार

अमृतसर (एजेंसी)। अमृतसर पुलिस कंट्रोल रूम में आधी रात को सचखंड श्री हरमंदिर साहिब के पास चार बम लगाए जाने की सूचना से हड़कंप मच गया। तुरंत पूरे पंजाब में अलर्ट कर दिया गया। सूचना के तुरंत बाद ही पुलिस के दस बम निरोधक दस्ते श्री हरमंदिर के आसपास चेकिंग करने पहुंचे।

पुलिस फोर्स ने सुबह चार बजे तक हर कोना जांचा, लेकिन बम कहीं नहीं मिले। पुलिस की साइबर टीम पुलिस कंट्रोल रूम में सूचना देने वाले के मोबाइल नंबर को ट्रेस कर रही है। पुलिस ने सुबह पांच बजे एक निहंग और उसके बच्चों को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने शरारत करते हुए कंट्रोल रूम में यह सूचना दी। हालांकि पुलिस अधिकारी इसकी पुष्टि नहीं कर रहे हैं। पुलिस आज यानि कि शनिवार को इसे लेकर प्रेस कांफ्रेंस कर सकती है।

रात डेढ़ बजे आया था फोन

जानकारी के मुताबिक पुलिस कंट्रोल रूम पर रात डेढ़ बजे एक मोबाइल नंबर से किसी ने सूचना दी कि सचखंड श्री हरमंदिर साहिब के आसपास चार बम छिपाकर रखे गए हैं। पुलिस में अगर हिम्मत है तो वह धमाकों को रोक ले। इसके बाद फोन काट दिया गया।

एक वारदात और बिखरा परिवार: हमले के बाद पति की मौत, पत्नी जिंदगी से लड़ रही जंग और नाबालिग बेटी लापता

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। दुधावा चौकी अंतर्गत बिहावापारा में बीती रात अज्ञात व्यक्ति द्वारा पति-पत्नी को धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। घायल पति-पत्नी को जिला अस्पताल लाया गया। जहां उसकी मौत हो गई। वहीं घटना के बाद से 16 साल की नाबालिक बेटी लापता है।

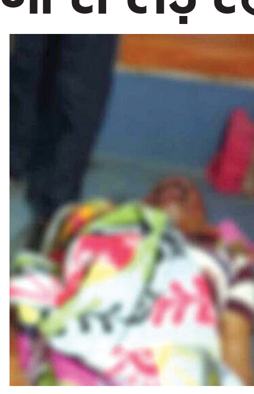

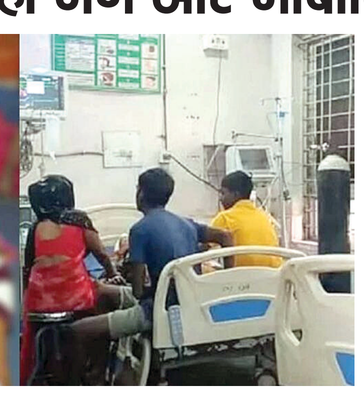

वारदात के बाद से 16 साल की बेटी लापता

दुधावा चौकी प्रभारी रविशंकर साहू ने बताया कि बिहावापारा की रहने वाले दंपति पति प्रताप शोरी और उसकी पत्नी ममता शोरी पर अज्ञात व्यक्तियों ने बीती रात धारदार हथियार टंगीय-बसूला से हमला कर घयाल कर दिया गया था। इस हमले से दोनों पूरी तरह जख्मी हो गए थे। जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान पति प्रताप शोरी की अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस जांच में पता चला है कि दंपति के घर से 16 साल की नाबालिक बेटी लापता है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कांकेर जिले में अपराध का आंकड़ा

गौरतलब हो कि कांकेर जिले में हत्या और हत्या के प्रयास के आंकड़ों पर नजर डाले तो हत्या के 2021 में 28 प्रकरण और 2022 में 25 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। वहीं हत्या के प्रयास के 2021 में 21 प्रकरण और 2022 में 27 प्रकरण दर्ज किए है। वहीं 2023 में अब तक 4 प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

सांप के काटने से मां-बेटे की मौत, पिता की हालत गंभीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा। सरगुजा जिले के कतकालो गांव में सांप के काटने से मां-बेटे की मौत हो गई है। महिला के पति की हालत गंभीर है। इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मां-बेटे के शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मामला सीतापुर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक, कतकालो गांव में गुरुवार की रात किसी के घर में शादी थी। जिसमें शामिल होने के लिए विजय मांझी (48) अपनी पत्नी सुमित्रा (45) और बेटे शहद राम (25) के साथ गया हुआ था। शादी में तीनों ने खाना खाया और वापस घर लौट आए। इसके बाद पति-पत्नी दोनों एक कमरे में और दूसरे कमरे में बेटा सो गया। तीनों थक कर जमीन पर ही सो गए थे। रात में तीनों को जहरीले सांप ने काट लिया। शुक्रवार सुबह महिला सुमित्रा मांझी अपने घर में मृत पाई गई। वहीं पिता विजय और बेटे शहद को सीतापुर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां बेटे ने भी थोड़ी देर के बाद इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि इनकी मौत सांप काटने से हुई है।

भिलाई में सुपारी किलिंग : ऑनलाइन सट्टे के 30 लाख वसूलने खाईवाल की अपहरण के बाद हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ऑनलाइन सट्टे की रकम वसूली के लिए अपहरण के बाद हत्या का मामला सामने आया है। पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र के खाईवाल ओम प्रकाश साहू ऑन लाइन सट्टा का कारोबार चलाता था। दो दिन पहले उसका अपहरण किया गया और हत्या कर शव का अखलोरडीह तालाब में फेंक दिया गया। इस मामले में शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। इसके बाद एक एक कर मामला खुला।

पुरानी भिलाई पुलिस के अनुसार 31 मई की शाम को मृतक ओम प्रकाश को उसके साथी ने फोन करके उम्दा रोड भिलाई तीन स्थित अपने किराए के मकान में बुलाया। ओमप्रकाश अपने स्कुटी से लगभग शाम 8 बजे पहुंचा। उस घर में विकास तिवारी व उसके साथी मौजूद थे। यहां पर पहले से खाने पीने की व्यवस्था करके रखा गया था। ओमप्रकाश के साथ मिलकर

सभी ने शराब पी और उसके बाद पैसे के लेनदेन की बात को लेकर ओमप्रकाश और उसके साथीयों का विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर विकास तिवारी और उसके साथियों ने रात्रि लगभग 10 बजे ओमप्रकाश का गला दबाकर हत्या कर दी।

हत्या के बाद रात 11:30 बजे डेडबॉडी को छिपाने के लिए बोरे में भरकर स्कूटी के सामने डालकर अकलोरडीह में मुरुम खदान से बने तालाब में स्कूटी में बांध कर फेंक दिया। डेडबॉडी को पानी में फेंकने से पहले आरोपियों ने ओमप्रकाश का मोबाइल रख लिया और वहां से निकल गए। दूसरे दिन 1 जून को सुबह आरोपियों ने ओमप्रकाश की पत्नी को फोन कर पैसे की मांग की। ओमप्रकाश के मोबाइल से फ़ोन आने की सूचना ओम प्रकाश की पत्नी ने पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक महोदय ने ACCU व थाना के सभी अधिकारीयों को ओमप्रकाश एवं आरोपियों की पता तलाश के लिए तत्काल निर्देशित किया गया था। प्रकरण में आशीष तिवारी (34) निवासी हाल मुक़ाम जामुल मूल निवासी देवतलाब रीवा मप्र को हिरासत में ले लिया गयाद्य हिरासत में लिए आरोपी से पूछताछ में पूरा मामला खुला और मुरुम खदान के तालाब से शव बरामद किया गया। फ्लिहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपी और मृतक दोनो पूर्व में जेल में बंद थे जहां पर इनका पहचान हुआ था । मृतक NDPS तथा आरोपी लूट के प्रकरण में जेल में थे।

संपादकीय

भारत-नेपाल संबंध

भारत-नेपाल रिश्तों को हिमालयी ऊंचाइयों तक पहुंचाने का इरादा स्वागत-योग्य है। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड भारत यात्रा पर आए हुए हैं और भारत ने उन्हें कतई निराश नहीं किया है। दोनों देशों के बीच अनेक समझौते हुए हैं, जिनसे परस्पर बंधुता का विस्तार तय है। भारतीय प्रधानमंत्री ने उचित ही कहा है कि हम सभी मुद्दों को हल करेंगे, चाहे वह सीमा संबंधी हो या कोई अन्य मुद्दा। स्पष्ट है कि नेपाल के प्रधानमंत्री का ज्यादा जोर सीमा विवाद सुलझाने पर था, तो इसके पीछे उनकी आंतरिक राजनीति के दबाव को महसूस किया जा सकता है। मोटे तौर पर नेपाल की सभी प्रमुख मांगों या इच्छाओं को मान लिया गया है, लेकिन ऐसा लगता है कि सीमा विवाद पर नेपाल भारत से कुछ ज्यादा रियायत या उदारता की उम्मीद कर रहा है। नेपाल के प्रधानमंत्री की टिप्पणी गौरतलब है, 'मैंने प्रधानमंत्री मोदी जी से स्थापित द्विपक्षीय राजनयिक तंत्र के माध्यम से सीमा मामले को हल करने का आग्रह किया है।' इस मुद्दे पर भारत का जवाब भी प्रशंसनीय है, 'इसे दोनों पक्षों के बीच मजबूत धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों और मित्रता की भावना को ध्यान में रखते हुए सुलझाया जाएगा।

> ऊर्जा उत्पादन के मामले में नेपाल पूरे दक्षिण एशिया के लिए एक आदर्श है और नेपाल ने पनबिजली परियोजनाओं पर जितना काम किया है, उतना काम पाकिस्तान में भी नहीं हुआ है। भारत को अगर बिजली की जरूरत है, तो नेपाल से खरीदने में कतई हिचक नहीं होनी चाहिए। नेपाल की संपन्नता हर लिहाज से भारत के अनुकूल है। दोनों देशों के बीच सीमा पार व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक नई एकीकृत चेक पोस्ट का उद्घाटन भी उल्लेखनीय है, दो और चेकपोस्ट के लिए सहमति बनी है।

यह अच्छी बात है कि दोनों देशों के बीच रेल नेटवर्क विस्तार के लिए आगे काम होगा, इससे परस्पर यात्रा और व्यापार, दोनों में वृद्धि होगी। इस मोर्चे पर पहले ही काफी देर हो चुकी है और अब समय बर्बाद करने की कोई गुंजाइश नहीं है। नेपाल की दूसरे देशों पर निर्भरता स्पष्ट है, भारत उसके साथ अगर मजबूती के साथ खड़ा होगा, तो इससे अच्छा और कुछ नहीं। भारत के लिए हर पड़ोसी महत्वपूर्ण है और अच्छी बात यह है कि नेपाल की अर्थव्यवस्था कमोबेश बेहतर है। श्रीलंका और पाकिस्तान की तुलना में नेपाल बहुत बेहतर स्थिति में है। नेपाल के पास अतिरिक्त बिजली या ऊर्जा उपलब्ध है और भारत उससे 10 हजार मेगावाट विद्युत खरीदने के लिए सहमत हुआ है। इतना ही नहीं, भारत अपनी जमीन के जरिये नेपाल से बांग्लादेश के लिए विद्युत आपूर्ति होने देगा। ऊर्जा उत्पादन के मामले में नेपाल पूरे दक्षिण एशिया के लिए एक आदर्श है और नेपाल ने पनबिजली परियोजनाओं पर जितना काम किया है, उतना काम पाकिस्तान में भी नहीं हुआ है। भारत को अगर बिजली की जरूरत है, तो नेपाल से खरीदने में कतई हिचक नहीं होनी चाहिए। नेपाल की संपन्नता हर लिहाज से भारत के अनुकूल है। दोनों देशों के बीच सीमा पार व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक नई एकीकृत चेक पोस्ट का उद्घाटन भी उल्लेखनीय है, दो और चेकपोस्ट के लिए सहमति बनी है। दक्षिण एशिया की पहली सीमा पार पेट्रोलियम पाइपलाइन विस्तार योजना का अनावरण भी दर्ज करने लायक है। सात से अधिक उत्साहजनक समझौतों और संबंध विस्तार के बावजूद अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है। कई ऐसे मोर्चे हैं, जिन पर सोचने की जरूरत है। क्या नेपाल-भारत के बीच सांस्कृतिक और बौद्धिक संपर्क में कमी आई है? क्या नेपाल में भारत विरोध के लिए कोई देश जमीन तैयार कर चुका है या कर रहा है? नेपाल ऐतिहासिक और पौराणिक रूप से भी भारत से जुड़ा हुआ है। दोनों देशों के बीच परस्पर लगाव इतना प्रगाढ़ है कि उसकी किसी अन्य देश से तुलना नहीं की जा सकती। यह एहसास नेपाल को भी सतत होना चाहिए। व्यावहारिकता यही है कि किसी से बन रही नई दोस्ती आदिकाल से चले आ रहे गहरे संबंधों पर भारी न पड़े।

बेरोजगारी है विकराल, गंभीर बने!

भारत में बेरोजगारी असल समस्या का मुखौटा मात्र है। उस मुखौटे के पीछे अंडरइंपलॉयमेंट और परोक्ष बेरोजगारी का विशाल संकट है। जाहिर है, भारत के सामने एक एक दुश्चक्र में फंसने का खतरा है। भारत सरकार के ताजा आंकड़ों के मुताबिक देश में वेतनभोगी महिला कर्मियों की संख्या दो साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। वैसे कुल मिला कर रोजगार की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है, भले शहरों में युवा कर्मियों के लिए स्थिति कुछ बेहतर हुई हो। सावधिक श्रम शक्ति सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक (पीएलएफएस) की यह रिपोर्ट का संदेश यह है कि भारत में युवा आबादी के जिस लाभ की चर्चा अक्सर की जाती है, व्यावहारिक रूप से वैसा होने की स्थितियां बन नहीं रही हैं। अगर क्वालिटी एम्पलॉयमेंट की बात करें, तो सूरत और भी खराब नजर आती है। ताजा रिपोर्ट ने पहले से मौजूद ऐसी जानकारियों एक बार फिर से पुष्टि की है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत में शहरी बेरोजगारी दर अप्रैल से जून 2020 की तिमाही में 20.9 फीसदी पर पहुंच गई थी। तब से बेरोजगारी दर तो कम हुई है, लेकिन अपेक्षित तनख्वाह वाली नौकरियां कम ही उपलब्ध हैं। जबकि नौकरी खोजने वालों की तादाद लगातार बढ़ रही है। स्थिति यह है कि युवा आबादी कम वेतन वाले काम पाकर भी अपने को सौभाग्यशाली मानते हैं। यह काम भी ना मिले, तो वे अपना कोई छोटा-मोटा काम कर लेते हैं, जिन्हें सरकार स्वरोजगार बताती है। लगभग 1.4 अरब लोगों की आबादी के साथ भारत चीन को पीछे छोड़ दुनिया की सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। इस आबादी का आधे से ज्यादा यानी लगभग 53 फीसदी 30 साल से कम आयु के हैं। भारत के इस जनसंख्या-लाभ की चर्चा सालों से हो रही है, लेकिन अच्छी नौकरियां ना होने के कारण करोड़ों युवा असल में अर्थव्यवस्था पर बोझ बनते जा रहे हैं। आर्थिक शोध एजेंसी आईसीआरआईईआर ने बताया है कि बेरोजगारी समस्या का मुखौटा मात्र है। उस मुखौटे के पीछे अंडरइंपलॉयमेंट और परोक्ष बेरोजगारी का विशाल संकट है। जाहिर है, भारत के सामने एक दुश्चक्र में फंसने का खतरा है। अगर रोजगार दर कम होती रही तो आय कम होगी और आय कम हुई तो युवाओं और बढ़ती आबादी के लिए नए रोजगार पैदा करने के लिए धन उपलब्ध नहीं होगा। बेशक, यह देश के सामने सबसे गंभीर समस्या है।

कांग्रेस कार्यसमिति बनाना सबसे मुश्किल

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए ज्यादा मुश्किल पदाधिकारियों का चयन है या कांग्रेस कार्य समिति का गठन ज्यादा मुश्किल है? कांग्रेस के नेता मान रहे हैं कि कार्य समिति बनाना सबसे बड़ी चुनौती है। जानकार सूत्रों के मुताबिक पदाधिकारियों के चयन में कोई मुश्किल नहीं आने वाली है। अभी सोनिया गांधी की बनाई टीम काम कर रही है और उसमें खड़गे कोई खास बदलाव नहीं करेंगे। जो महासचिव जिस राज्य में प्रभारी है उसके वहां बने रहने की ज्यादा संभावना है। अगर कुछ बदले जाएंगे तो उनकी संख्या बहुत कम होगी। इसी तरह कांग्रेस का संचार विभाग है उसमें भी बदलाव की संभावना ज्यादा नहीं दिख रही है। कुछ नए प्रवक्ता नियुक्त हो सकते हैं, कुछ राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष बनेंगे और यूथ कांग्रेस सहित कुछ अनुषंगी संगठनों में नई नियुक्ति होनी है। असली मुश्किल कार्य समिति बनाने की है, जिसमें एक मुद्दा तो यह है कि किन लोगों को इसमें रखा जाए ताकि कार्य समिति नई भी दिखे, साख भी बनी रहे और परिवार के प्रति निष्ठावान सारे लोग एडजस्ट भी हो जाएं।

> पश्चिमी हाथों में वास्तविक तुरुप का इक्का हमेशा से अर्थव्यवस्था ही रही है : अमेरिकी डॉलर का विरासती प्रभुत्व, अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं पर उसका नियंत्रण और किसी पर सामूहिक प्रतिबंध लगाने की क्षमता। इसी वजह से अमेरिका को वास्तव में लगा कि वह न सिर्फ रूस को अस्थिर कर सकता है, बल्कि वैश्वीकरण का एक नया अध्याय भी लिख सकता है। फिर भी चौंकाने वाले नाटकीय प्रभाव सामने आए हैं।

सात दशक की सबसे बड़ी जमीनी जंग

जोरावर दौलत सिंह, फेलो, सीपीआर, दिल्ली

यूक्रेन में लगा झटका वास्तविक है। यह 1940 के दशक के बाद का सबसे बड़ा भूमि युद्ध हो गया है, जो 15 महीने से जारी है। पूरी योजना उलट गई है। अमेरिका और नाटो ने इस विश्वास के साथ रूस-यूक्रेन विवाद में हस्तक्षेप शुरू किया था कि यह छद्म युद्ध यूरोप में रूसी प्रभाव को कम करने का एकमात्र तरीका है। इसका मकसद रूस को आकार में छोटा करना और विश्व में बहुध्रुवीय व्यवस्था को समाप्त करना भी था। कागज पर यह शैतानी न सही, पर एक चतुर रणनीति थी। अनुमान था कि नाटो हथियारों से लैस यूक्रेन जल्दी ही रूस पर भारी पड़ेगा। कम से कम पश्चिमी नीति-निर्माताओं ने यह अनुमान तो लगाया ही था कि रूस वर्षों तक एक और अफगानिस्तान में फंसा रहेगा, जबकि अमेरिका एक महाशक्ति के रूप में पुनर्जीवित होकर काबिज हो जाएगा।

जो सोचा गया था, उसके उलट हो गया। यह छद्म युद्ध हर मोर्चे पर एक ऐसे संघर्ष में बदल गया, जिसे एक सीमित महायुद्ध के रूप में वर्गीकृत करना ज्यादा सटीक होगा। अमेरिका एक बड़े लक्ष्य लेकर चला था, पर अब उसके लक्ष्य में कमी आई है। इस बार विश्व समुदाय पश्चिम के पीछे लाइन लगाकर खड़ा नहीं हुआ, बल्कि ईमानदारी से दूर रहा है। रूस को बदनाम करने और अमेरिकी प्रतिबंधों को गले लगाने की नाटो की योजना के प्रति गजब का इनकार दिखा है। दूसरी ओर, ग्लोबल साउथ या गरीब, विकासशील देशों को अपने हितों को आगे बढ़ाने और एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के स्वागत का मौका मिल गया है। अब दुनिया के कमजोर देश भी प्रमुख देशों के साथ बेहतर सौदेबाजी कर सकते हैं। भारत की विदेश नीति को भी इस प्रवृत्ति के तहत देखा जा सकता है। आज दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका, मध्य-पूर्व और यहां तक कि पूर्वी एशिया के कुछ हिस्सों में भी यह प्रवृत्ति देखी जा सकती है।

महाशक्तियों का भू-राजनीतिक संतुलन बदलता हुआ लग रहा है। यह चीन की ओर झुकता हुआ लग रहा है और अमेरिका के सामने मुश्किलें बढ़ी हैं। वाशिंगटन ने मास्को और बीजिंग के बीच दरार पैदा करने की भी कोशिश की है, ताकि वह चीन के साथ नए पश्चिमी तालमेल का फायदा उठा सके। अमेरिकी नीति-नियंताओं ने रूस से चीन को दूर करने की कोशिश में शी जिनपिंग शासन को अंतरराष्ट्रीय अदालत में लाने की कवायद की है, मगर इसका बहुत कम फायदा हुआ है। ऐसा लगता है कि रूस के साथ अपनी साझेदारी को खतरे में डालने के लिए चीन तैयार नहीं है। ताईवान के संदर्भ में चीन को लगता है कि अमेरिका शायद उसके साथ भी वही करेगा, जो उसने रूस के साथ किया है।

पश्चिमी हाथों में वास्तविक तुरुप का इक्का हमेशा से अर्थव्यवस्था ही रही है : अमेरिकी डॉलर का विरासती प्रभुत्व, अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं पर उसका नियंत्रण और किसी पर सामूहिक प्रतिबंध लगाने की क्षमता। इसी वजह से अमेरिका को वास्तव में लगा कि वह न सिर्फ रूस को अस्थिर कर सकता है, बल्कि वैश्वीकरण का एक नया अध्याय भी लिख सकता है। फिर भी चौंकाने वाले नाटकीय प्रभाव सामने आए हैं। झटका रूस को लगने के बजाय यूरोप को ज्यादा लगा है। यूरोप में ऊर्जा व औद्योगिक संकट खड़ा हो गया और रूसी अर्थव्यवस्था पर वैसा असर नहीं हुआ, जैसा अमेरिका व नाटो ने चाहा था। आज यूरोपीय अर्थव्यवस्थाएं बढ़ती महंगाई से जूझ रही हैं। जर्मनी जैसे औद्योगिक दिग्गज देश मंदी की चपेट में आ गए हैं। वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा में यूरोप पिछड़ रहा है। अर्थशास्त्री अब इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि यूरोपीय समृद्धि और औद्योगिक शक्ति के लिए रूसी उत्पाद व ऊर्जा कितनी महत्वपूर्ण थी।

आखिर रूस कैसे बच गया, वह भी सरलता से? वस्तुत: नाटो के देश जो चाहते थे, उसका पालन गैर-पश्चिमी दुनिया ने नहीं किया। कई अन्य विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के साथ चीन और भारत ने पश्चिमी बाजारों की जगह ले ली। इससे रूस को नई जीवन रेखा मिली और अन्य देशों को सस्ती ऊर्जा से लाभ हुआ। अभी भी राजस्व से भरपूर मास्को अपनी आर्थिक स्थिरता के लिए जरूरी औद्योगिक घटकों, मशीनरी व उपभोक्ता वस्तुएं खरीदने में सक्षम है। अतीत में रूस के साथ जर्मनी की जो भूमिका थी, उसमें अब चीन उतर आया है। चीन के साथ रूस का व्यापार 2023 में 200 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

इस युद्ध ने पश्चिम के पूरे भू-राजनीतिक दांव पर सवाल उठा दिए हैं। प्रारंभिक चरण में रूस को गहरा झटका लगा, लेकिन बाद में मास्को ने अलग रणनीति अपनाई। उसने नए क्षेत्रों पर कब्जा करने की पारंपरिक कवायद के बजाय यूक्रेन में स्थित सैन्य ढांचे को नष्ट करना और नीचा दिखाना शुरू कर दिया। रूस विशाल खुले मैदानों में बड़े टैंकों से लड़ाई के साथ ही, यूक्रेनी मोर्चों पर सीधे हमला करने लगा। यूक्रेन के रणनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण शहरों व कस्बों में भीषण संघर्ष छेड़ दिया। रूस तमाम प्रमुख शहरी लड़ाई में जीत गया है, इससे उसे पूर्वी यूक्रेन में बढ़ने में मदद मिलेगी। साथ ही, रूस ने कीव सहित पूरे यूक्रेन में सैन्य, रसद,कीमती बुनियादी ढांचे पर हमले में अपनी आक्रामक मारक क्षमता का खूब इस्तेमाल किया है।

कुछ तथ्य उत्तरोत्तर स्पष्ट होते जा रहे हैं। यूक्रेनी सैन्य बल की बुनियाद काफी हद तक नष्ट हो गई है। नाटो अभी इस नुकसान की भरपाई नहीं कर सकता। न केवल यूक्रेन, बल्कि नाटो देशों में भी एक बड़े और लंबे युद्ध को चलाए रखने की औद्योगिक क्षमता गंभीर रूप से घटी है। नाटो देशों ने 70 अरब डॉलर से अधिक की सैन्य सहायता भेजी है, जिसमें से अधिकांश हिस्सा अमेरिका से आया है। वास्तविक बाधा अब पश्चिमी उत्पादन क्षमता है, क्योंकि नाटो के योजनाकारों ने इतने लंबे युद्ध की उम्मीद नहीं की थी। आप विचार करके देखिए, रूस एक दोपहर में जितने गोले-बारूद दाग देता है, उतना गोला-बारूद बनाने में अमेरिका को दो महीने लग जाएंगे।

नाटो की हथियार प्रणालियां कम पड़ गई हैं, जिन्हें युद्ध की दिशा बदलने के लिए तैनात किया गया था। रूसी सेना कम से कम निम्नलिखित क्षमताओं में नाटो से आगे दिखती है - वायु रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, तोपखाने / काउंटर आर्टिलरी और हाइपरसोनिक मिसाइलें। चिंता बढ़ रही है, नाटो समर्थन से यूक्रेन यदि टकराव बढ़ाता है, तो जाहिर है, रूस भी तगड़े जवाबी हमले के लिए तैयार है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

दुल्हनों की पीड़ा नहीं, खुशियां बताने वाले लोकगीत गाइए

निष्ठा गौतम, वरिष्ठ पत्रकार

क्या दिल में उतर जाने वाले किसी गीत की मंशा को समझना जरूरी है या उसकी मनभावन धुन व भावपूर्ण शब्दों के आगे हमें बिछ जाना चाहिए? वायरल हो चुके कोक स्टूडियो, भारत का क्या कर कोरिमोल गाना इस सवाल की पड़ताल है। सभी विवाह गीतों की तरह कश्मीरी विवाह लोकगीतों का यह मिश्रण भी बहुत प्रभावशाली बन पड़ा है, और रिलीज होने के महज चार दिनों के अंदर 40 लाख से अधिक लोगों ने इसे देख लिया है। मगर तमाम चर्चाओं से परे, प्रश्न यह है कि गाना आखिर है क्या? क्या यह दुल्हन की पीड़ा है, जो अपने घर को लेकर उलझन में है? उसका घर आखिर है कहां? वह, जिसे वो हमेशा के लिए छोड़ रही है, या वह, जहां दुल्हन जाने वाली है? क्या यह गीत उसके पिता की दुश्चिंता है, जो शादी की दावत के लिए अपना जीवन तक दांव पर लगाने के लिए तैयार हैं? या, वर के उस नाराज फूफा जी पर है, जो पिता को नीचा दिखाने लिए दावत से चले जाते हैं?

असल में, यह गीत बताता है कि कैसे पितृसत्ता हमारे संस्कारों के जरिये खुद को कायम रखती है। अधिकांश विवाह गीतों का यही चरित्र है। उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, राजस्थान जैसे तमाम राज्यों में विवाह लोकगीत अमूमन तीन तरह के होते हैं- शादी की तैयारी वाले, दुल्हन और उसके परिवार की पीड़ा बताते और तीसरा, चुहलबाजी या ताना मारने वाले, जो माहौल को हल्का बनाते हैं। क्या कर कोरिमोल में पहली दो श्रेणियों की झलक मिलती है। हालांकि, कोई हैरानी जता सकता है कि यदि दुल्हन व उसके परिजनों को वैवाहिक आयोजन इस कदर परेशान करते हैं, तो विवाह को अब तक तमाम मान्यताओं से परे अधिक न्यायसंगत संस्था क्यों नहीं बनाया गया है?

दक्षिण एशिया की शादियों में दुल्हन के रुदन वाले लोकगीत सामान्य हैं। ऐसी पीड़ा आपको स्पेनिश, रूसी, मोरक्कन और अरबी भाषी विवाह लोकगीतों में भी महसूस होगी। इन धुनों में महिलाओं के सामाजिक-पारिवारिक पराभव का बोध होता है। ये गीत दुल्हन के वर्तमान और भविष्य को समग्रता में समेटे होते हैं। इनमें यह निर्देश दिया जाता है कि ससुराल में कैसे रहना है, बेटे को कैसे जन्म देना है, घर की अच्छी तरह से कैसे सेवा करनी है, और दासी बनने के लिए पति को बहुत ज्यादा परेशान नहीं करना है। परिवार, जाति, समुदाय, यहां तक कि राष्ट्र की पगड़ी संभालने की बात भी अमूमन इन गीतों में होती है। यह यूएई की अल अय्याला को देखकर कहीं अधिक स्पष्ट समझा जा सकता है, जिसमें हम तुरंत जान लेते हैं कि पुरुष दाता है और महिलाएं सम्मान की रक्षक। यह एक ऐसी व्यवस्था है, जो दोनों पक्षों के लिए उचित नहीं है।

यहां पर विवाह गीतों की तीसरी श्रेणी बहुत मायने नहीं रख सकती है। वे तब से मौजूद हैं, जब से इंसानों ने कविता को समझना शुरू किया है। प्राचीन ग्रीक साहित्य में, होरेस ने ग्रामीण आयोजनों में बोले जाने वाले अश्लील और ताना मारने वाले छंदों को अपमानजनक कहा है। हालांकि, आर्थर लेस्सी व्हीलर के मुताबिक, उनका मकसद 'मानव की सर्वोच्च खुशी के समय देवताओं की ईर्ष्या से बचना था'। खासकर,स्त्रियों द्वारा गाए जाने वाले अपशब्दों वाले लोकगीत न सिर्फ वैवाहिक आयोजन की बनावटी प्रकृति पर चोट करते हैं, बल्कि पितृसत्ता पर भी वार करते हैं। उत्तर प्रदेश का ददरिया गीत या कुछ भोजपुरी विवाह गीत इतने अतिरंजित हैं कि वे अक्सर उन महिलाओं के हथियार होते हैं, जिनको अन्यथा चुप करा दिया जाता है। जाहिर है, लोकगीतों ने हमेशा समय की प्रचलित रीति व्यक्त की है, और संस्थागत मान्यताओं को चुनौती दी है।

लिहाजा, गहरे पैठी असमानता का जश्न मनाने के बजाय हमें लोकगीतों की ताकत का इस्तेमाल करना चाहिए। ऐसे समय में, जब भारत में विवाह समानता की मांग जोर पकड़ रही है, हमसफर पाने की महिलाओं की खुशी को हमें अलग तरह से व्यक्त करना चाहिए। हमें ऐसी शादियों की जरूरत है, जहां रिश्ता विफल होने पर दुल्हन वापस 'घर' लौटने में हिचके नहीं, और दुल्हन के पिता भारी-भरकम मेहमाननवाजी करके खुद को कंगाल न बना लें। हमें ऐसी ही शादियों का जश्न मनाते गीतों की जरूरत है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

एमपी, एमएलए की ऐसे सदस्यता जाने लगी तो आगे क्या?

अजीत द्विवेदी

समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता आजम खान की हेट स्पीच मामले में रिहाई ने विधायकों, सांसदों की आनन-फानन में सदस्यता समाप्त करने, उनकी सीटों को खाली घोषित करने और उपचुनाव कराने की जल्दी पर बड़ा सवाल खड़ा किया है। इस बारे में विधानमंडल और संसद के दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों के साथ साथ चुनाव आयोग को भी गंभीरता से विचार करना चाहिए। निश्चित रूप से देश की सर्वोच्च अदालत को भी अपने 2013 के फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। क्योंकि इस पर अमल करने से ऐसी गलतियां होने की संभावना है, जिनका सुधार संभव ही नहीं है। आजम खान के मामले में ऐसी ही गलती हुई है।

आजम खान ने 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान एक चुनावी सभा में कुछ बातें कही थीं, जिन्हें हेट स्पीच माना गया। इस पर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया और पिछले साल विशेष एमपी, एमएलए कोर्ट ने आजम को दोषी ठहरा कर तीन साल की सजा सुना दी। इसके बाद आनन-फानन में विधानसभा के स्पीकर ने उनकी सदस्यता समाप्त कर दी और उनकी रामपुर सदर सीट को खाली घोषित कर दिया। इसके तुरंत बाद चुनाव आयोग ने उपचुनाव की घोषणा कर दी, जिसमें भाजपा के आकाश सक्सेना जीत गए। अब वे रामपुर सदर सीट के विधायक हैं और इस बीच जिला अदालत ने आजम खान को बरी कर दिया। इतना ही नहीं सुनवाई के बाद पता चला कि जिस व्यक्ति ने शिकायत की थी उसे जिले के निर्वाचन अधिकारी यानी तत्कालीन कलेक्टर ने मजबूर किया था कि वह शिकायत दर्ज कराए।

सोचें, अब क्या होगा? क्या कोई न्यायिक या संवैधानिक व्यवस्था है, जिसमें आजम खान की सदस्यता बहाल हो सके? तभी सवाल है कि क्या अदालतों से लेकर संसद, विधानसभा और चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं को ऐसी सजा के बारे में बहुत सोच विचार कर फैसला नहीं करना चाहिए, जिसमें भूल सुधार की कोई गुंजाइश न हो? आजम खान के मामले में ऐसा सवाल खड़ा हुआ है, जिस पर तमाम राजनीतिक और वैचारिक पूर्वाग्रह से ऊपर उठ कर विचार करने की जरूरत है। सदस्यता खत्म करने की इस व्यवस्था और कानून को लेकर जिन खतरों का अंदेशा पहले से जाहिर किया जा रहा था वह खतरा अब सामने आ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने जुलाई 2013 में लिली थॉमस और एक गैर सरकारी संगठन की याचिका पर यह फैसला सुनाया था कि किसी भी चुने हुए प्रतिनिधि को किसी भी मामले में अगर दो साल या उससे ज्यादा की सजा होती है तो उसकी सदस्यता तत्काल खत्म हो जाएगी। इसके साथ ही अदालत ने यह भी कहा था कि अगर ऊपर की अदालत में दोषी व्यक्ति की याचिका मंजूर हो जाती है और सजा पर रोक लग जाती है तो सदस्यता अपने आप बहाल हो जाएगी।

हाल के कम से कम दो मामलों में इस फैसले की सीमाएं और कमियां जाहिर हुई हैं। एक मामला राहुल गांधी का है, जिसमें उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा सूरत की अदालत में चल रहा था और अदालत ने राहुल के वकीलों की तमाम दलीलों को ठुकराते हुए उनको उस अपराध में होने वाली दो साल की अधिकतम सजा सुना दी। मानहानि के मामले में आमतौर पर अधिकतम सजा नहीं सुनाई जाती है लेकिन राहुल को सजा हुई और उसी समय उनकी सदस्यता समाप्त हो गई। यह एक चिंताजनक घटना है, जिसका दूरगामी असर हो सकता है। कर्नाटक के कोलार में दिए भाषण के लिए किसी ने गुजरात के सूरत में मुकदमा दर्ज किया और केरल की वायनाड सीट के सांसद की सदस्यता समाप्त हो गई! सोचें, यह कितना चिंताजनक है! ऐसा किसी के साथ हो सकता है। किसी के भाषण की कोई बात पकड़ कर देश के किसी भी हिस्से में कोई व्यक्ति मानहानि का मुकदमा कर दे और अदालत उस पर अधिकतम सजा सुना दे तो सदस्यता खत्म हो जाएगी!

अदालत के फैसले की दूसरी खामी या कमी इस चेतावनी का सच साबित होना है कि सत्तारूढ़ दल विपक्षी पार्टियों के नेताओं की सदस्यता खत्म करने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आजम खान के मामले में दिखा है। शिकायत करने वाले ने खुद माना है कि निर्वाचन अधिकारी के दबाव डालने पर उसने मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सत्तारूढ़ दल की भूमिका दिखती है। उसके बाद सजा होते ही जिस तेजी से स्पीकर ने उनकी सदस्यता समाप्त की और सीट खाली घोषित की वह भी एक चिंताजनक ट्रेंड है, जो राहुल गांधी और लक्षद्वीप के सांसद मोहम्मद फैसल के मामले में भी दिखी। इसके बाद चुनाव आयोग ने जिस तेजी से उस खाली सीट पर उपचुनाव का ऐलान किया है वह भी इस फैसले के खतरे की ओर इंगित करता है। अगर सीट खाली रहती, उस पर उपचुनाव नहीं हुआ होता तो मुकदमे से बरी होने या ऊपरी अदालत से सजा पर रोक लगने के बाद सदस्यता तुरंत बहाल हो जाती, जैसा कि मोहम्मद फैसल के मामले में हुआ। लेकिन रामपुर सीट के मामले में ऐसा नहीं हो सकता है क्योंकि आजम खान की सदस्यता बहाल करने के लिए पिछले साल के अंत में हुए उपचुनाव को निरस्त करना होगा।

ध्यान रहे सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने के लिए तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार एक अध्यादेश ले आई थी, जिसे राहुल गांधी ने सार्वजनिक रूप से फाड़ दिया था और उसके बाद सुप्रीम कोर्ट का फैसला लागू हो गया। इस फैसले की वजह से लालू प्रसाद निचली अदालत से सजायाफ्ता होने के बाद चुनाव नहीं लड़ सके। अब नए सिरे से सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर विचार की जरूरत है। वह विचार संसद में हो या सर्वोच्च अदालत में हो, यह अपनी जगह है। लेकिन विचार अनिवार्य रूप से होना चाहिए। इसमें चुने गए प्रतिनिधियों के बचाव की व्यवस्था भी होनी चाहिए। इसके लिए तीन प्रावधान किए जा सकते हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

राधिका नगर में सड़क का डामरीकरण व क्रांकीट करने नेकराम ने निगम से की मांग

भिलाई। पिछले कई दिनों से सड़क न 5 राधिका नगर कोसानाला वार्ड क्र 5 मेन रोड पुलिया रोड का डामरीकरण या क्रांकीट रोड बनवाने के लिए नेकराम रामटेके ने महापौर नीरज पाल के नाम आवेदन दिया गया था। इस हेतु पूर्व एल्डरमेन पूर्व पार्षद वर्तमान पार्षद एमआईसी मेंबर संदीप निरंकारी से भी सड़क डामरीकरण करने मांग की गई थी लेकिन अब तक इस ओर निगम प्रशासन ने ध्यान नही दे रहा है। यह सड़ राधिका नगर दीक्षित कॉलोनी पुलिया को जोड़ती एवं पुलिया के किनारे गड्ढा भी हो गया है। जिसमें बारिश का पानी जमा हो जाता है जिससे यहां के राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। श्री रामटेके ने निगम प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द सड़क का डामरीकरण या क्रांकीट करें जिससे कि आम नागरिकों को परेशानी न हो।

नेहरू नगर के सड़क कार्य का महापौर ने लिया जायजा

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत सड़कों के डामरीकरण का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी के निर्देश पर सड़कों को सुधारने का काम भिलाई निगम में तेज गति से हो रहा है। महापौर नीरज पाल की पहल से सड़कों के डामरीकरण का काम भिलाई के अलग-अलग क्षेत्रों में किया जा रहा है। सड़क कार्यों का महापौर जायजा भी ले रहे हैं। पहले फेज में नेशनल हाईवे से लगे प्रमुख सड़कों का डामरीकरण के कार्य को महत्व देकर इससे पूरा किया जा रहा है। प्रमुख सड़कों के बाद अब अंदरूनी इलाकों की सड़कों को भी दुरुस्त करने का काम प्रारंभ हो गया है। महापौर नीरज पाल ने अधिकारियों के साथ आज नेहरू नगर क्षेत्र में सड़कों के संधारण एवं दुरुस्ती करण कार्य का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर अधिकारियों को निर्देश दिए कि शीघ्र अति शीघ्र सड़कों को सुधारने की दिशा में कार्य करें और बारिश से पूर्व कार्य को पूर्ण कर ले। मार्गों के निरीक्षण के दौरान जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, प्रभारी कार्यपालन अभियंता कुलदीप गुप्ता, सहायक अभियंता वसीम खान एवं उप अभियंता अर्पित बंजारे आदि मौके पर मौजूद रहे। गौरतलब है कि नेहरू नगर चौक से लेकर केपीएस चौक तक, प्रियदर्शनी परिसर पश्चिम की सड़कें, 18 नंबर रोड की सड़कें, नंदनी रोड की सड़कें, खमरिया जाने वाली मार्ग की सड़कों के साथ ही अन्य सड़कों का डामरीकरण कार्य किया जा चुका है। अब मार्गों में वाहनों के आवागमन में आसानी हो रही है तथा गड्ढों से निजात लोगों को मिल रहा है।

कुम्हारी में नागरिकों को मिलेंगी मेट्रो सिटी जैसी सुविधाएं

मुख्यमंत्री बघेल ने 26 करोड़ की लागत से बड़े तरिया के सौन्दर्यीकरण और विकास कार्य का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कुम्हारी के लोगों को मेट्रो सिटी की तर्ज पर विभिन्न सुविधाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज दुर्ग जिले के कुम्हारी में 26 करोड़ की लागत से बड़े तरिया के सौन्दर्यीकरण और विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने यहां लेजर विथ म्यूजिकल फाउंटेन का भी शुभारंभ किया। बड़े तरिया लगभग 18 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। इस तरिया के परिसर में फूड स्टाल, ग्रीन वाकिंग टनल, टॉय ट्रेन, आर्च व सस्पेंशन ब्रिज भी बनाया गया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने नगरीय क्षेत्र कुम्हारी के लोगों को 174 करोड़ 45 लाख रूपए के विकास कार्यों की सौगात दी। इनमें 45 करोड़ 44 लाख 66 हजार के विकास कार्यों का लोकार्पण व 129 करोड़ के कार्यों का भूमिपूजन शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि तालाब हमारे संस्कृति के केन्द्र बिन्दु तो है साथ ही भूजल स्तर को बनाये रखने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। तालाबों के संवर्धन से भूजल स्तर में सुधार भी होता है और हमारी सरकार इस दिशा में सतत् रूप से कार्य कर रही है। शहरों एवं गांवों में भूजल स्तर में सुधार के लिए निरंतर कदम उठाये गये है। उन्होंने कहा कि बड़े तरिया हमारे इन्हीं प्रयासों का एक उदाहरण है।

बड़े तरिया में आप सभी को टॉय ट्रेन, शानदार झूले, चौपाटी, ग्रीन टनल, म्युजिकल, फाउण्टेन लेजर शो, विडियो प्रोजेक्टर एवं शानदार पार्क देखने को मिल रहा है। 70 साल से अधिक पुराने पीपल के पेड़ को दूसरी जगह से लाकर बड़े तरिया में पुनर्जीवित किया गया है। इस प्रयास में एक संदेश है कि हमें अपनी प्रकृति एवं पुरखो की धरोहर को हर हाल में सहेजना होगा। यह तालाब कुम्हारी नगर पालिक एवं इससे लगे क्षेत्र के लोगो के लिए स्वस्थ मनोरंजन का केन्द्र बनेगा। उन्होंने लोगों से कहा कि इस तालाब एवं पार्क को संजो कर रखें, ये हमारी सामुहिक जिम्मेदारी भी है। इस मौके पर नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या आम नागरिक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस दौरान बड़े तालाब का भ्रमण किया और फूड स्टाल, ग्रीन वाकिंग टर्नल, टॉय ट्रेन, आर्च व सस्पेंशन ब्रिज आदि का अवलोकन किया। यहां निर्मित सीटिंग एरिना से बड़े तरिया के मनमोहक दृश्य का नजारा भी लिया। इसके साथ ही उन्होंने लेजर विथ म्यूजिकल फाऊंटेन शो का लुफ्त उठाया, जिसमें छत्तीसगढ़ की संस्कृति का चित्रण शानदार तरीके से किया गया। इस प्रस्तुति में छत्तीसगढ़ की संस्कृति के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के खनिज और मनोरम पर्यटन स्थल के साथ ही विगत साढ़े 4 वर्षों में कुम्हारी नगर निगम परिषद द्वारा प्रस्तुत विकासगाथा का चित्रण भी किया गया।

लेजर विथ म्यूजिकल फाऊंटेन'' शो- बड़ा तालाब में आने वाले आगंतुकों के मनोरंजन के दृष्टिकोण से प्रतिदिन संध्या 7:30 बजे लेजर विथ म्यूजिकल फाऊंटेन शो का आयोजन किया जाएगा। लेजर विथ म्यूजिकल फाऊंटेन में अलग-अलग थीम की प्रस्तुति देखने को मिलेगी। इस मनमोहक कार्यक्रम की समय-सीमा 13 मिनट की होगी।

ग्रीन वॉकिंग टनल- बड़े तरिया के प्रवेश द्वार के कुछ ही कदम पर लोगों के सुबह सैर के लिए ग्रीन वाकिंग टनल बनाया गया है। इसके पाथ -वे के दोनों ओर रंग बिरंगे फूल और हरियाली है। वाकिंग पाथ वे में घास बिछी है जो कि पैदल चलने वालों को प्रकृति के और करीब लाती है।

फू ड जोन - आगंतुकों को बड़े तालाब के प्रवेश द्वार से अंदर आते ही, बाई ओर फूड जोन मिलेगा। जिसमें चाईना हाऊस, हैप्पी टी, मिलेट कैफे, बिरयानी स्ट्रीट और चाट-चौपाटी जैसे कई फूड स्टॉल लजीज व्यंजनों के साथ आगंतुकों का मन मोहने के लिए तैयार मिलेंगे। चाईना हाऊस में चाऊमीन, हक्का नुडल, मोमोस, पनीर, चिल्ली और हैप्पी टी स्टॉल में चाय और कॉफी की बहुत सारी वैरायटी देखने को मिलेगी। स्वाद और सेहत का गठजोड़ चाहने वालों को मिलेट कैफे के माध्यम से हाईप्रोटीन और कैलोरी युक्त पौष्टिकता से भरे विकल्प भी मिलेंगे।

ड्रेन फाऊंटेन और टॉय ट्रेन - बड़े तरिया के सेंटर में बच्चों के मनोरंजन के दृष्टिकोण से 48 बच्चों के लिए प्रतिदिन टॉय ट्रेन भी चलेगी। जब ट्रेन ट्रेक पर दौड़ेगी तो बच्चे अपने स्थान से ड्रेन फाऊंटेन के फुहारों का नजारा भी देखेंगे और टॉय ट्रेन का सफर का भी आनंद लेंगे। यह ड्रेन फाऊंटेन ग्राऊंड लेवल से लगभग 10 फीट नीचे और 500 मीटर में फैला हुआ है जो कि टॉय ट्रेन के पाथवे को फॉलो कर रहा है।

आगन्तुकों के लिए समय निर्धारित - आम नागरिकों के लिए बड़े तरिया के खुलने व बंद होने का समय संध्या 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही मेटनेंस के दृष्टिकोण से एंट्री फीस, लेजर विथ म्यूजिकल फाऊंटेन और टॉय ट्रेन की फीस 10 रूपए निर्धारित की गई है।

लेजर विथ म्यूजिकल फाऊंटेन शो में दिखी छत्तीसगढ़ संस्कृति की झलक

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कुम्हारी में 26 करोड़ की लागत से निर्मित बड़े तरिया का लोकार्पण किया गया। यह तरिया 18 एकड़ रकबे में विस्तृत है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर बड़े तरिया परिसर क्षेत्र के अंतर्गत लेजर विथ म्यूजिकल फाऊंटेन शो का शुभारंभ भी किया, जिसमें जीवंत लेजर की रोशनी, फाऊंटेन से छोड़े जा रहे पानी के फुहारों और मल्टी मीडिया शो के माध्यम से नगरवासियों का प्रतिदिन मनोरंजन होगा। मुख्यमंत्री ने बड़े तरिया का भ्रमण किया और इसे मेट्रो सिटी के तर्ज पर विकसित मनोरम स्थल बताया। उन्होंने परिसर के फूड स्टाल, ग्रीन वाकिंग टर्नल, टॉय ट्रेन, आर्च व सस्पेंशन ब्रिज इत्यादि का अवलोकन किया और कहा कि यह स्थल प्राकृतिक धरोहर, संस्कृति और आधुनिक अधोसंरचना का अदभुत संगम है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर लेजर विथ म्यूजिकल फाऊंटेन शो देखा। जिसमें छत्तीसगढ़ की संस्कृति का चित्रण शानदार तरीके से किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ की संस्कृति के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के खनिज और मनोरम पर्यटन स्थल का प्रदर्शन भी किया गया था। यहां मुख्यमंत्री के समक्ष विगत साढ़े 4 वर्षों में कुम्हारी नगर निगम परिषद द्वारा प्रस्तुत विकासगाथा का चित्रण भी किया गया। बड़ा तरिया में आने वाले आगंतुकों के मनोरंजन के दृष्टिकोण से प्रतिदिन संध्या 7:30 बजे लेजर विथ म्यूजिकल फाऊंटेन शो होगा। इस मनमोहक कार्यक्रम की समय-सीमा 13 मिनट की होगी और एंट्री फीस 10 रूपए रखी गई है जो कि मूलतः एक प्रकार का मेंटनेंस चार्ज है। लेजर विथ म्यूजिकल फाऊंटेन में अलग-अलग थीम को प्रस्तुत किया जाएगा।

कलाकारों ने अपनी भावभंगिमा से दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

इंडोनेशिया के कलाकारों ने सीता हरण, राम-रावण युद्ध की अविस्मरणीय प्रस्तुति दी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायगढ़ के रामलीला मैदान में चल रहे राष्ट्रीय रामायण महोत्सव के दूसरे दिन इंडोनेशिया से आए कलाकारों ने इंडोनेशिया की रामायण के आधार पर सीता हरण और राम-रावण युद्ध की अविस्मरणीय प्रस्तुति दी। इस पूरे प्रसंग को इंडोनेशियाई कलाकरों ने अपनी भावभंगिमा के माध्यम से इतना प्रभावी बना दिया कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। कलाकारों की यह प्रस्तुति अद्भूत धुनों के साथ आरंभ हुई। इंडोनेशिया के जावा द्वीप के काकवीन रामायण और बाली द्वीप के रामायण प्रमुख हैं।

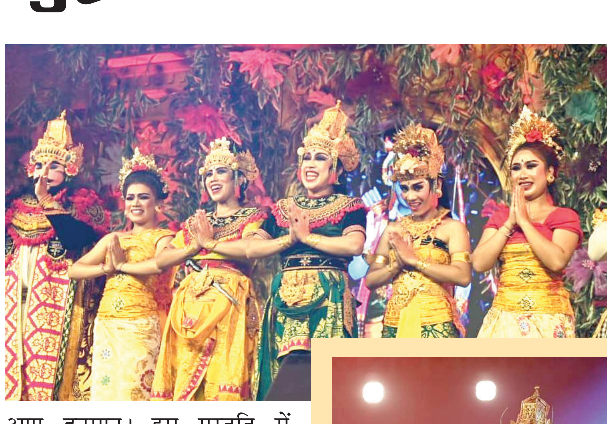

यह भट्टी कवि के काव्य से प्रेरित है। बाली द्वीप में भारतीय सभ्यता स्थानीय प्रभाव के साथ अक्षत हैं। विद्वान मानते हैं कि इस पर दक्षिण का प्रभाव अधिक है। अतएव इनकी भावमुद्रा दक्षिण के कत्थककली कलाकारों जैसी है।

इंडोनेशियाई रामायण की प्रस्तुति में संगीत बेहद शानदार है। राम और सीता जी के बाद मंच पर आए हनुमान। इस प्रस्तुति में हनुमान जी की बड़ी भूमिका हैं। उनका मुकुट, उनकी वस्त्र सज्जा बताती है कि भारतीय समाज की तरह ही बाली का समाज भी प्रकृति का गहरा आदर करता है। हाथों की मुद्रा संगीत के साथ बदल रही है। यहां का संगीत बिल्कुल अलग और विशिष्ट है।

केवल संगीत के साथ ताल में भाव मुद्रा के माध्यम से राम कथा कही जा रही है। इंडोनेशिया से आए कलाकारों की प्रस्तुति में प्रसंग जैसे-जैसे आगे बढ़ता है, संगीत तीव्र होता जाता है। आंखों की मुद्राओं से बताया जा रहा है कि किस तरह सीता जी का हरण हुआ। दर्शकों के लिए चकित करने वाला दृश्य। बांसुरी जैसे वाद्ययंत्रों के अद्भुत सुरों के साथ रामकथा आगे बढ़ते जाती है। कलाकार केवल भाव मुद्रा में ही पूरे प्रसंग का जीवंत वर्णन करते हैं। यह बड़ी बात है कि इस कला में उनकी सांस्कृतिक धरोहर भी है और राम जैसे उदात्त चरित्र को अपनाने की चेष्टा भी। खास बात यह है कि सीता जी का स्पर्श किये बगैर अपनी चेष्टाओं से ही रावण की अदाकारी कर रहे कलाकार ने हरण का दृश्य दिखाया। यह एक बैले जैसी प्रस्तुति है। आखिर में स्थानीय भाषा में प्रस्तुत गीत से पूरी कथा स्पष्ट होती है।

प्रस्तुति के दौरान अशोक वाटिका के दृश्य में हनुमान जी मुद्रिका लेकर जाते हैं। हनुमान जी ने लंका दहन किया और भयंकर ऊर्जा से लंका का नाश किया। हनुमान जी मुद्रिका श्री राम को दिखाते हैं। आखिर चरण में राम रावण युद्ध होता है। लक्ष्मण राम के हाथों धनुष देते हैं। यहां यह रोचक प्रसंग भी देखने को मिला कि हनुमान जी भी रावण के साथ द्वंद्व कर रहे हैं। राम और सीता पुनः एक होते हैं। आगे राम सीता, फिर लक्ष्मण, पीछे हनुमान जी।

तुमुल ध्वनि से लोगों ने जयजयकार किया। गौरतलब है कि इंडोनेशिया की रामायण प्रस्तुति में भगवान श्रीराम का यह चरित्र एक महिला कलाकार श्रीयानी ने निभाया, जो बाली द्वीप की रहने वाली हैं। उन्होंने आज अपने साथी कलाकारों के साथ ऐसी यादगार प्रस्तुति दी कि पूरा वातावरण राममय हो गया था।

सुराजी ग्राम योजना ने हीरदई को बनाया आत्मनिर्भर

जगदलपुर। सुराजी ग्राम योजना ने गांवों में आशाओं के नए द्वार खोले हैं। तोकापाल विकासखंड के चोंडीमेटा की हीरदई के चार बच्चे हैं। 6 सदस्यों का यह परिवार हिरदई के पति की आमदनी पार निर्भर था, इसलिए हीरदई भी अपने पति के कंधे से मिलाकर घरखर्च में योगदान देना चाहती थी, किंतु गांव में इसके लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध नहीं था, जिसके कारण उसके मन में निराशा थी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा शुरू किए गए सुराजी ग्राम योजना ने हीरदई के सपने को साकार करने की राह दिखाई। मुख्यमंत्री द्वारा खेती -बाड़ी को नुकसान पहुंचाने वाले आवारा पशुओं को ठौर उपलध करने के साथ ही किसानों को जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित करने हेतु वर्मी विक्रय का कार्य करने लगी। इसके साथ ही वह अंडा उत्पादन का कार्य भी करने लगी।

BIG BRAND
Premium Store
30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school ,
Nehru Nagar ,Bhilai

ऊँ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

रामलाल यादव बने झेरिया यादव समाज के जिला अध्यक्ष

रायपुर (ए)। झेरिया यादव समाज बरौदा के सदस्यगण एवं युवा प्रकोष्ठ के युवा साथियों ने छत्तीसगढ़ यादव समाज रायपुर जिला अध्यक्ष रामलाल यादव निर्वाचित होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष संदीप कुमार यादव ने बताया कि छत्तीसगढ़ यादव समाज के नवनियुक्त रायपुर जिला अध्यक्ष रामलाल यादव का ग्राम पंचायत बरौदा के झेरिया यादव समाज और युवा प्रकोष्ठ के द्वारा भव्य स्वागत समारोह का कार्यक्रम रखा गया था जिसमें समाज के सभी सदस्य गण एवं युवा प्रकोष्ठ के साथियों द्वारा श्रीफल नारियल, शाल भेट कर पुष्प माला से स्वागत किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से शांतू यादव, सेवा यादव, भिखारी यादव, पंचू यादव, संतोष यादव, श्रवण यादव, चिंता यादव, भोला यादव, गोपाल यादव, रामजी यादव, रामू यादव, गजानंद यादव, दिनेश यादव, परमानंद यादव, शत्रुहन यादव, श्रीराम यादव, संदीप यादव, चंद्रशेखर यादव, विष्णु यादव, राजेश यादव, राजेन्द्र यादव, राजा यादव, अरुण यादव, भाऊ यादव, विनोद यादव, गोपी यादव, राकेश यादव, शंकर यादव, मोहित यादव, लोकेश यादव, सुरेश यादव, संदीप यादव, महेंद्र यादव, टिकेन्द्र यादव, उमाकांत यादव, पप्पू यादव, गजेन्द्र यादव, जितेंद्र यादव एवं समस्त यादव परिवार शामिल हुये।

पेयजल समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु कंट्रोल रूम गठित

रायपुर। ग्रीष्म काल के दौरान मैदानी स्तर पर पेयजल समस्याओं के त्वरित निराकरण तथा जिले में पेयजल की सुचारू व्यवस्था बनाए रखने हेतु उपखंड स्तर पर एवं विकासखंड स्तर पर कंट्रोल रूम का गठन किया गया है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जिला रायपुर द्वारा जिन अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है उसमें सहायक अभियंता एस. के सोनी (मो.नं. +91-93404-07562) को विकासखण्ड धरसींवा/तिल्दा हेतु, उप अभियंता अविनाश एक्का (मो.नं. +91-94252-16040) को विकासखंड तिल्दा हेतु, उप अभियंता एसके वर्मा (मो.नं. +91-93405-03357) एवं मिलन घृतलहरे (मो.नं. +91-98261-81269) को विकासखण्ड धरसींवा हेतु, सहायक अभियंता दीपक कोहली (मो.नं. +91-91312-79292) को विकासखण्ड अभनपुर/आरंग हेतु, उप-अभियंता सरीता महेश कुमार, (मो.नं. +91-79878-95255) एवं विकासखंड प्रभारी नेतराम वर्मा (मों.नं. +91-93027-33014) को विकासखण्ड अभनपुर हेतु, उप-अभियंता सुश्री रानू दिनकर (मों.नं. +91-87709-22811) एवं शुभ्रा बघेल (मो.नं +91-94258-88356) को विकासखण्ड आरंग हेतु प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला स्तर पर कन्ट्रोल रूम के प्रभारी मानचित्रकार (सिविल) आलोक जाधव (मो.नं. +91-98264-71043) को नियुक्त किया गया है। तथा खंड कार्यालय के (दूरभाष नम्बर 0771-2582223) पर भी संपर्क किया जा सकता है।

कलेक्टोरेट रायपुर में बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन अटल नगर नवा रायपुर के निर्देशानुसार अगामी मानसुन वर्ष 2023 में जिला स्तरीय प्राकृतिक आपदा अतिवृष्टि से बचाव एवं राहत व्यवस्था के संबंध में जिला कलेक्टोरेट कार्यालय रायपुर के कक्ष क्रमांक-6 में बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना किया गया है। जिसका संचालन 24 घंटे रहेगा। कक्ष का दूरभाष क्रमांक 077-2413233 है। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने बाढ़ नियंत्रण कक्ष हेतु रुचि शर्मा डिप्टी कलेक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

हज यात्रियों के लिए 4 जून को टीकाकरण एवं स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम होगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा हज 2023 के लिये प्रदेश से जाने वाले हज यात्रियों हेतु 04 जून को स्व. अटल बिहारी वाजपेयी सभागृह (ऑडिटोरियम) पंडित जवाहर लाल नेहरू चिकित्सा, महाविद्यालय परिसर, जेल रोड रायपुर में टीकाकरण व स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। यह आयोजन सुबह 10 बजे से शुरू होगा।

मुख्यमंत्री मितान योजनाः 92 हजार लोगों को घर पर मिला शासकीय दस्तावेज और प्रमाण-पत्र

स्लम स्वास्थ्य योजना और दाई-दीदी क्लीनिक के माध्यम से राज्य के 51 लाख से अधिक लोगों को मिला मुफ्त इलाज

श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल से दवा खरीदकर लोगों ने बचाए 102 करोड़ रूपए

अस्पतालों और कार्यालयों में लंबी लाईनों से मिला छुटकारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में लोगों को समय, पैसे और श्रम से राहत देने मुख्यमंत्री मितान योजना, स्लम स्वास्थ्य योजना, दाई-दीदी क्लीनिक और श्री धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स योजना का संचालन किया जा रहा है। नगरीय प्रशासन विभाग की ओर से संचालित इन योजनाओं के माध्यम से अब तक 51 लाख से ज्यादा लोगों को मोहल्ले में ही एम्बुलेंस के जरिए नि:शुल्क इलाज मिला है। इन योजनाओं से अस्पतालों और शासकीय कार्यालयों में लाइन में खड़े होने और अनावश्यक खर्चों से लोगों को राहत मिली है। गौरतलब है कि लोगों को घर बैठे शासकीय दस्तावेजों से संबंधित सेवाएं देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री मितान योजना का मई 2022 को शुभारंभ किया गया है।

घर तक पहुंच रहे मितान

लोगों को शासकीय सेवाओं का लाभ उठाने के लिए बार-बार नगर निगमों, तहसीलों और अन्य सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता न पड़े। इसलिए राज्य सरकार ने प्रदेश के 14 नगर पालिक निगमों में मुख्यमंत्री मितान योजना शुरू किया है, जिसमें योजना के प्रथम चरण में 17 नागरिक सेवाओं को प्रारंभ किया गया है। योजना के अंतर्गत 92 हजार 172 नागरिकों को उनकी आवश्यकता के शासकीय दस्तावेज घर बैठे ही प्रदान किए गए हैं। अब तक एक लाख 05 हजार 821 नागरिकों ने योजना के लिए जारी टोल फ्री नंबर 14545 पर दस्तावेज बनाने कॉल किया है। योजना का उद्देश्य एक प्रभावी होम डिलीवरी मॉडल की मदद से नागरिकों को लगभग 100 सरकारी सेवाएं प्रदान करना है। इसीलिए यह योजना मजदूरों, किसानों, महिलाओं और आम नागरिकों को अपना बहुमूल्य समय, धन तथा ऊर्जा बचाने में मददगार है। वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांग, शारीरिक रूप से कमजोर वर्ग कार्यालयों में जाने से असमर्थ होने के कारण, इस योजना से अत्याधिक लाभान्वित हो रहा है।

मुख्यमंत्री मितान योजना के तहत शासकीय सेवाओं को नागरिकों के घर पर उपलब्ध कराने के लिए राज्य के बेरोजगार युवाओं को मितान एजेंट के रूप में तैनात करके लाभान्वित किया जा रहा है, जो आवश्यक दस्तावेज लेने और प्रमाण पत्र पहुंचाने के लिए नागरिकों के घर जा रहे हैं। यह योजना युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर प्रदान कर रही है, साथ ही आम नागरिकों को उनके घर पर सरकारी सेवाओं का लाभ प्रदान कर रही है।

यह योजना राज्य सरकार द्वारा एक अनुकरणीय पहल है। इस योजना के तहत नागरिकों को उनके घरों में आराम से जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, दुकान एवं स्थापना, आधार कार्ड पंजीकरण (5 वर्ष तक के बच्चों के लिए) आधार के मोबाइल नंबर में सुधार आदि जैसे प्रासंगिक प्रमाण पत्र प्राप्त होंगे। उन्हें विवाह और मृत्यु प्रमाण पत्र में सुधार जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं भी प्राप्त हो रही है। मुख्यमंत्री मितान योजना से लाभान्वित होने के लिए आवेदक को मितान की सेवा लेने अपॉइंटमेंट बुक करने के लिए टोल-फ्री नंबर 14545 पर कॉल करना होता है और आवश्यकतानुसार प्रमाणपत्र के लिए कॉल सेंटर प्रतिनिधि को निवेदन करते है। कॉल करने पर मितान प्रतिनिधि बताते है कि सेवाओं का लाभ लेने के लिए आप 50 रूपए सेवा शुल्क के साथ संबंधित दस्तावेज तैयार रखे। इसके बाद मितान के प्रतिनिधि तय समय और तिथि पर आवेदक के घर पहुंचते है। दस्तावेज लेकर वे प्रमाण पत्र बनने के बाद मितान प्रतिनिधि घर पहुंचाने आते है।

दाई-दीदी क्लीनिक योजना अंतर्गत संपूर्ण महिला स्टाफ के साथ मेडिकल यूनिट झुग्गी-बस्तियों में जाकर महिलाओं का इलाज कर रही है। अब तक 2,036 शिविरों के माध्यम से 1.52 लाख हजार महिलाओं को निशुल्क चिकित्सा उपलब्ध कराई गई है। योजना अंतर्गत शिविर लगाकर अब तक 29 हजार से ज्यादा महिलाओं का लैब टेस्ट और 1.44 लाख से ज्यादा महिलाओं को निशुल्क दवा का वितरण किया जा चुका है।

51 लाख से ज्यादा मरीजों का हुआ निःशुल्क इलाज

मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना और दाई-दीदी क्लीनिक के अंतर्गत स्लम बस्तियों में रहने वाले गरीब परिवारों को नि:शुल्क उपचार की सुविधा दी जा रही है। इन योजनाओं के जरिए अब तक 51 लाख से ज्यादा मरीजों का नि:शुल्क इलाज हुआ है। मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के जरिए प्रदेश में अब तक 64 हजार से ज्यादा शिविर आयोजित किए जा चुके हैं और 49 लाख से ज्यादा मरीजों का इलाज किया गया है। साथ ही 12.94 लाख मरीजों का निशुल्क पैथालौजी टेस्ट और करीब 42.06 लाख मरीजों को दवा वितरण किया गया है। अब इस सेवा को विस्तार देते हुए 120 मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से झुग्गी बस्तियों में ही मरीजों का नि:शुल्क परामर्श, ईलाज, दवाईयां और पैथालॉजी लैब की सुविधा सभी नगरीय निकायों में उपलब्ध है। योजना का उद्देश्य प्रदेश के नगरीय निकायों में निवासरत शहरी गरीब परिवारों को उनके घरों के समीप ही मुफ्त चिकित्सीय जांच, लैब टेस्ट एवं मुफ्त दवाईयां मोबाईल मेडिकल यूनिट के माध्यम से घर पहुंच स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है। योजना का विस्तार करने के उद्देश्य सभी नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों में 31 मार्च 2022 से प्रारंभ किया गया है। योजना के पात्र हितग्राही निकाय क्षेत्र के सभी नागरिक है। योजनांर्तगत स्लम क्षेत्र में निवास करने वाले नागरिकों को प्राथमिकता प्रदान की जाती है।

60 लाख लोगों को मिली सस्ती दवाईयां

श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स योजना अंतर्गत प्रदेश के सभी 169 नगरीय निकायों में 195 दुकानें शुरू की जा चुकी हैं। इन दुकानों में 329 जेनेरिक दवाएं, 28 सर्जिकल आइटम आदि उपलब्ध है। यह योजना आमजनों को ब्रांडेड जेनेरिक दवाईयां और सर्जिकल आइटम्स की सस्ती दरों पर नियमित आपूर्ति सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इन दुकानों में शासकीय चिकित्सकों को पर्ची पर जेनेरिक दवाई लिखना अनिवार्य किया गया है। श्री धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स योजना के तहत 167.52 करोड़ रूपए एमआरपी की दवाइयों के विक्रय पर 60 लाख से ज्यादा हितग्राहियों को 101.89 करोड़ रूपए की राशि की बचत का लाभ मिल चुका है। दवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए इन दुकानों में देश की ख्यातिप्राप्त कंपनियों की जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध कराने की शर्त रखी गई है। उपलब्ध दवाइयों में सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर, इंसुलीन आदि सम्मिलित रहेगी। साथ ही साथ गंभीर बीमारियों की दवा, एंटीबायोटिक, सर्जिकल आइटम भी न्यूनतम 50 प्रतिशत की भारी छूट के साथ उपलब्ध है।

त्रिस्तरीय पंचायतों एवं नगरीय निकायों के निर्वाचन, कंट्रोल रूम स्थापित

रायपुर। त्रिस्तरीय पंचायतों एवं नगरीय निकायों के आम एवं उप निर्वाचन 2023 के लिए छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। नवा रायपुर स्थित आयोग के कार्यालय में स्थापित कंट्रोल रूम के प्रभारी विजय कुमार कोष्टा, निज सचिव एवं सहायक कर्मचारी के रूप में ईश्वर कुमार साहू, स्टेनोटायपिस्ट की तैनाती की गई है। इस कंट्रोल रूम का दूरभाष नबंर 0771-2880400 है। इसमें स्थानीय निर्वाचन संबंधी जानकारी के लिए कार्यालयीन समय में सुबह 10 बजे से शाम 05.30 बजे तक संपर्क किया जा सकता है।

पुरखौती सम्मान यात्रा व जनसंपर्क अभियान में गांव-गांव पहुंचेगी भाजपाः अरुण साव

रायपुर (ए)। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक शुक्रवार को संपन्न हुई। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। यह बैठक दो सत्रों में संपन्न हुआ। प्रथम सत्र में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने महा जनसंपर्क अभियान और आदिवासी पुरखौती सम्मान यात्रा में जनजाति मोर्चा की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा भारतीय जनता पार्टी ने जनसंपर्क अभियान के जरिए गांव- गांव तक भाजपा के केंद्र सरकार के सुशासन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास कार्यों एवं भूपेश सरकार के नाकामियों को गिनाएगी और छत्तीसगढ़ के प्रत्येक व्यक्ति से जुड़ने का प्रयास करेगी। वहीं पुरखौती सम्मान यात्रा के जरिए अनुसूचित जनजाति मोर्चा द्वारा आदिवासी महानायको जैसे- शहीद वीर नारायण सिंह शहीद गुंडाधुर शहीद गेंदसिंह जैसे महान बलिदानियो के जन्मस्थली से जिला मुख्यालयों तक की यात्रा की जाएगी, इस यात्रा के जरिए आदिवासी गौरव के प्रतीक पुरुषों के प्रति सम्मान व्यक्त किया जायेगा।

महिला समूहों का गोठान में 30 लाख रुपए से अधिक का टर्नओवर, लगभग 12 लाख रुपए फायदा भी कमाया

पांच एकड़ रकबे में चटौद गौठान लगभग 40 महिलाओं को मिला रोजगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले के आरंग जनपद क्षेत्र के चटौद ग्राम पंचायत में पांच एकड़ रकबे में सुसज्जित गौठान बनाया गया है। चार स्व-सहायता समूहों की लगभग 40 महिलाएं इस गोठान में वर्मी कम्पोस्ट बनाने, केचुआ उत्पादन, सब्जी उत्पादन, मुर्गी पालन, मशरूम उत्पादन के साथ-साथ हल्दी पाउडर बनाने के काम में लगी है। बीते साल इन महिलाओं ने अपनी मेहनत से 30 लाख रुपए से अधिक का व्यवसाय किया है और लगभग 12 लाख रुपए से अधिक का शुद्ध लाभ कमाया है। गोठान में काम कर रहें सीता महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती गीता वर्मा ने बताया कि गोठान और गौधन न्याय योजना से गांवों में ही महिलाओं को रोजगार मिल रहा है। अपनी मेहनत से महिलाएं गोठानों में काम करके अतिरिक्त आमदनी भी पा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों में बढ़ोत्तरी हुई है। श्रीमती वर्मा ने बताया कि गौठानों से हो रही आय का उपयोग महिलाएं घरेलू जरूरतों की पूर्ति के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में भी कर रही है।

ग्राम पंचायत के चटौद के गोठान में चार महिला समूह सीता महिला संगठन, किरण स्व-सहायता समूह, एकता स्व-सहायता समूह और कल्याण स्व-सहायता समूह द्वारा आजीविका मूलक काम किए जा रहें है। गोठान में गोबर खरीदी का काम प्रतिदिन किया जाता है। गौठान में दो रुपए किलो की दर से अभी तक 7 हजार 670 क्विंटल गोबर की खरीदी की जा चुकी है। इसमें से 7 हजार 210 क्विंटल गोबर से 2 हजार 647 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट बनाया गया है। बनाये गये वर्मी कम्पोस्ट में से 2 हजार 280 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट किसानों और अन्य शासकीय संस्थाओं को बेंचकर महिलाओं को लगभग 23 लाख रुपए मिले है। 120 क्विंटल गोबर से 60 क्विंटल सुपर कम्पोस्ट भी गोठान में ही बनाया गया है। वर्मी कम्पोस्ट और सुपर कम्पोस्ट को बेंचकर महिला समूहों को लगभग 9 लाख रूपये का शुद्ध लाभ हुआ है। क्षेत्र में गोठान के वर्मी कम्पोस्ट की मांग बढ़ गई है। महिला समूह के सदस्य अब जैविक कीटनाशन भी बनाने लगी है। गोठान में उत्पादित केचुओं की मांग भी पूरे आरंग विकासखण्ड में है। आरंग विकासखण्ड के दूसरे गौठानों में केचुआ चटौद गौठान से ही दिए गये है। सीता महिला संगठन की 20 सदस्य चटौद गोठान में वर्मी कम्पोस्ट के साथ-साथ केचुआ उत्पादन के काम में भी लगी है। इन महिलाओं को कृषि विज्ञान केन्द्र रायपुर और कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा समय-समय पर प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया जाता है। संगठन की महिलाओं को बीते साल केचुआ बेंचकर ही तीन लाख रूपये की आमदनी हुई है। गोठान में मुर्गी पालन का काम किरण स्व-सहायता समूह द्वारा किया जा रहा है। समूह ने अभी तक मुर्गी पालन से लगभग 50 हजार रुपए का लाभ कमा लिया है। एकता स्व-सहायता समूह ने गोठान की बाड़ी में सब्जी उगाकर लगभग 10 हजार रुपए की आय अर्जित की है। कल्याण स्व-सहायता समूह की महिलाएं गोठान में मशरूम उत्पादन और हल्दी पाउडर बनाने के काम में लगी है। इससे इन महिलाओं को लगभग 10 हजार रुपए की आमदनी हो चुकी है। गोठान में आने वाले पशुओं की स्वास्थ्य जांच, नश्ल सुधार एवं टेगिंग का काम भी पशुधन विकास विभाग द्वारा गौठान में ही किया जा रहा है। गोठान में पशुओं के लिए चारागाह भी बनाया गया है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

कई मेकअप उत्पादों का विकल्प बन सकता है फेशियल ऑयल, जानिए 5 इस्तेमाल

फेशियल ऑयल चेहरे पर लगाया जाने वाला पोषक तत्वों से भरपूर तेल होता है। यह चेहरे पर प्राकृतिक चमक लाने और इसे हाइड्रेट रखने में मदद कर सकता है। इसके अलावा यह सीबम के उत्पादन को नियंत्रित करने में भी सहायक है। आप चाहें तो कई तरह के मेकअप उत्पादों के विकल्प के तौर पर भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। चलिए फिर आज फेशियल ऑयल से जुड़े 5 मेकअप हैक्स जानते हैं।

बतौर प्राइमर करें इस्तेमाल

साफ चेहरे पर मॉइस्चराइजर और सनस्क्रीन लगाने के बाद मेकअप बेस के लिए प्राइमर का इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि, अगर आपका प्राइमर खत्म हो गया है तो फेशियल ऑयल का इस्तेमाल करें। यह हल्का होता है और जल्दी से त्वचा में अवशोषित हो जाता है, जिससे आपको मेकअप के लिए एक अच्छा बेस मिल सकता है। आप चाहें तो घर पर खुद भी इन 5 तरीकों से फेस प्राइमर बना सकते हैं।

सूखे फाउंडेशन को कर सकता है ठीक

अगर लिक्विड फाउंडेशन का कम इस्तेमाल किया जाए तो यह रखे-रखे सूखने लगता है और जरूरत के समय बोतल से निकलता ही नहीं है। इस समस्या को तुरंत ठीक करने के लिए फाउंडेशन की बोतल में फेशियल ऑयल की 8-10 बूंदें डालें और इसे अच्छे से शेक करें। इससे फाउंडेशन पहले जैसा हो जाएगा और काम भी ज्यादा अच्छे तरीके से करेगा। अगर आपका फाउंडेशन हल्का है तो हल्के फाउंडेशन को इन 5 टिप्स से ठीक करें।

आईशैडो को करता है गहरा

अगर आपका आईशैडो हल्का है तो इसे गहरा करने के लिए भी आप फेशियल ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आईशैडो ब्रश को फेशियल ऑयल में डुबोएं और फिर अपना पसंदीदा आईशैडो लें। इसके बाद आईशैडो को बंद आंखों पर लगाएं। ध्यान रखें कि ब्रश को ऑयल से बहुत अधिक नहीं भिगोना है। इससे आईशैडो आंखों से नीचे गिरने लगेगा। आप बाजार में मौजूद आईशैडो का इस्तेमाल कर सकती हैं।

लिपबाम की तरह लगाएं

रूखेपन के कारण होंठ फटते हैं और अगर वक्त रहते इस समस्या पर ध्यान न दिया जाए तो कई बार होंठ इतने फट जाते हैं कि उनसे खून तक निकलने लगता है। इस समस्या से बचने के लिए रोजाना होंठों पर लिपबाम लगाएं। अगर आपके पास लिपबाम नहीं है तो आप उसकी जगह फेशियल ऑयल को बतौर लिपबाम इस्तेमाल कर सकती हैं। लिपबाम के ये 5 हैक्स आपके कई कामों को आसान बनाने में मदद कर सकते हैं।

मेकअप साफ करने में भी है मददगार

अगर आपके पास मेकअप रिमूवर नहीं है तो इसके विकल्प के तौर पर भी फेशियल ऑयल का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए एक कॉटन पैड पर थोड़ा-सा फेशियल ऑयल लें और फिर उससे मेकअप को हल्के हाथों से पोंछ सें। इससे आपका सारा मेकअप आसानी से हट जाएगा। यह न सिर्फ त्वचा की कोमलता से सफाई करेगा, बल्कि यह किसी भी तरह के नुकसान से बचाने और मॉइस्चराइज करने में भी कारगर है।

विजय देवरकोंडा के साथ लंच डेट पर गईं समांथा रुथ प्रभु

साउथ एक्ट्रेस समांथा रुथ प्रभु एक बार फिर चर्चा में आ गई हैं। समांथा हाल में अपने को-स्टार विजय देवरकोंडा के साथ लंच डेट पर गई थीं। डाइनिंग टेबल पर दोनों ने साथ में एक कैंडिड फोटो के लिए पोज भी दिया। इसी की तस्वीर समांथा ने अपने इंस्टा हैंडल पर शेयर की थी जो देखते-देखते ही वायरल हो गई। फैंस समांथा और विजय को साथ देखकर खुश हैं। कई यूजर्स ने दोनों से डेट करने की भी रिक्वेस्ट कर दी।

सामंथा रुथ प्रभु इंस्टाग्राम पर अपने बेस्ट बडी विजय देवरकोंडा के साथ एक प्यारी सी फोटो शेयर की है। तस्वीर में दोनों साथ में लंच डेट पर नजर आ रहे हैं। तस्वीर में समांथा कैमरे की तरफ मुस्कुराती हुई नजर आ रही हैं जबकि विजय फनी फेस बनाते नजर दिख रहे हैं।

एक्ट्रेस ने पाइट्री फॉर्म में देवेरकोंडा की तारीफ की और लिखा, सी यू एट योर बेस्ट...सी यू एट योर वर्स्ट....वो शख्स जो पहले और आखिरी नंबर पर आते हुए देखता है। जो आपके हर अप-डाउन में साथ होता...आपकी सक्सेस को देखता है... कुछ दोस्त हमेशा साथ खड़े नजर आते हैं. कितना खूबसूरत साल था ये... !!

जैसे ही शंकुतलम एक्ट्रेस ने ये तस्वीर शेयर की उनके फैंस ने ताबड़तोड़ कमेंट्स करना शुरू कर दिया। समांथा और विजय की इस तस्वीर पर फैंस ने लाइक्स और कमेंट्स की झड़ी लगा दी है। वहीं एक फैन ने लिखा, क्या दोनों साथ में क्यूट नहीं हैं? ये देखकर मुझे बहुत अच्छा लगा, दूसरे ने कहा, आपकी फिल्म का इंतजार है एक और फैन ने लिखा- आप दोनों डेट कर लो... एक यूजर ने कमेंट किया, बेस्ट पीपल इन ए बेस्ट फ्रेम पिक्चर परफेक्ट..

बता दें कि, विजय देवरकोंडा और समांथा साथ में एक फिल्म कुशी में काम कर रहे हैं। हाल में इसका एक गाना रिलीज किया गया था। दोनों की जोड़ी कमाल है। नागा चैतन्य के साथ तलाक के समय भी विजय एक्ट्रेस को सपोर्ट करते नजर आए थे।

वर्क फ्रंट की बात करें तो सामंथा अगली बार वरुण धवन के साथ सिटाडेल के इंडियन वर्जन में नजर आएंगी। इस अमेरिकन टीवी सीरीज में ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा और रिचर्ड मैडेन ने काम किया है।

मनोज बाजपेयी की बंदा ओटीटी के बाद अब सिनेमाघरों में हुई रिलीज

मनोज बाजपेयी मौजूदा वक्त में फिल्म सिर्फ एक बंदा काफी है को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। यह फिल्म 23 मई को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हुई थी। फिल्म में मनोज के अभिनय की हर तरह काफी प्रशंसा हो रही है। पिछले लंबे वक्त से दर्शक इस कोर्टरूम ड्रामा फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज करने की मांग कर रहे थे, जो अब पूरी हो चुकी है। दरअसल, बंदा ओटीटी के बाद सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

मनोज की बंदा को भारत के कुछ चुनिंदा सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है, जिसमें मुंबई (6), दिल्ली-उत्तर प्रदेश (9), राजस्थान (1) और बिहार (4) शामिल हैं। फिल्म सिर्फ एक बंदा काफी है को सेंसर बोर्ड ने यू/ए सर्टिफिकेट द्वारा पास कर दिया है। इसका मतलब फिल्म को बच्चे बड़ों की निगरानी में देख सकते हैं। फिल्म 2 घंटे, 12 मिनट, 50 सेकंड की होगी। बंदा इकलौती ऐसी फिल्म है, जिसे ओटीटी के बाद सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है।

अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर मनोज वाजपेयी ने पोस्ट शेयर करते हुए सिर्फ एक बंदा काफी है कि थिएट्रिकल रिलीज की जानकारी दी। एक्टर ने ट्वीट किया, बंदा आज से थिएटर्स में दस्तक दे रही है। भारी मांग के चलते फिल्म को रिलीज किया जा रहा है। सिर्फ एक बंदा काफी है की कहानी की बात करें तो फिल्म एक लीगल ड्रामा है। फिल्म में मनोज वाजपेयी ने एडवोकेट पीसी सोलंकी का किरदार निभाया है, जो एक धर्मगुरु को नाबालिगों के यौन शोषण के मामले में सजा दिलाने के लिए केस लड़ता है और सफल होता है। फिल्म की कहानी सच्ची घटना पर आधारित है।

पोन्नियिन सेल्वन 2 ने ओटीटी पर दी दस्तक अमेजन प्राइम वीडियो पर हुई रिलीज

दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने निर्देशक मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेल्वन ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था। यह फिल्म दुनियाभर में 500 करोड़ रुपये से अधिक बटोरने में सफल रही। हालांकि, पोन्नियिन सेल्वन 2 बॉक्स ऑफिस पहले भाग जैसा कमाल नहीं दिखा सकी और इसने दुनियाभर में 350 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है। इस बीच अब पोन्नियिन सेल्वन 2 ने ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक दे दी है।

पोन्नियिन सेल्वन 2 को 5 भाषाओं- तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में रिलीज किया गया है। पोन्नियिन सेल्वन कल्कि कृष्णमूर्ति के उपन्यास पर आधारित है, जिसमें ऐश्वर्या राय, ऐश्वर्या लक्ष्मी और तृषा समेत अन्य कलाकार हैं। गौरतलब है कि पोन्नियिन सेल्वन 1 भी अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है। पहला भाग 30 सितंबर, 2022 को रिलीज हुआ था। इससे पहले 26 मई को निर्माताओं ने पोन्नियिन सेल्वन 2 को अमेजन प्राइम वीडियो पर रेंट पर रिलीज किया था।

प्रभास की आदिपुरुष का नया पोस्टर जारी 16 जून को रिलीज होगी फिल्म

प्रभास और कृति सैनन की फिल्म आदिपुरुष को रिलीज होने में अब कुछ हफ्ते ही बाकी हैं। निर्माता फिल्म का प्रमोशन जोर-शोर से कर रहे हैं। अब शुक्रवार को निर्देशक ओम राउत ने आदिपुरुष का नया पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें अभिनेता देवदत्त नाग की झलक देखने को मिल रही है। राउत ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर नया पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, हम हैं केसरी, क्या बराबरी, जय श्री राम।

आदिपुरुष 16 जून को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाने के लिए तैयार है, वहीं रिलीज से पहले 13 जून को इसका न्यूयॉर्क के ट्रिबेका फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर होगा। फिल्म आदिपुरुष रामायण पर आधारित है, जिसमें प्रभास और कृति के अलावा सैफ अली खान, देवदत्त नाग और सनी सिंह मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। इसको हिंदी समेत तेलुगू, तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। आदिपुरुष को 600 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया है।

हवा में उड़ते आउटफिट में मलाइका ने कराया बोल्ड फोटोशूट

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स से सोशल मीडिया का पारा बढ़ानें में लगी रहती हैं। एक्ट्रेस 49 साल की हो चुंकी हैं लेकिन लोगों के बीच उनका क्रैज अब तक बरकरार है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की हॉट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है। इन तस्वीरों में मलाइका का सुपर बोल्ड अवतार देखकर फैंस का दिल मचल गया है। मलाइका अरोड़ा आए दिन सोशल मीडिया पर अपने फोटोज शेयर करती रहती हैं। हाल ही एक्ट्रेस ने बेहद ही ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, जिसमें उनका लुक देखकर इंटरनेट पर बवाल मच गया है। एक्ट्रेस मलाइका ने अपनी इन तस्वीरों में येलो कलर का बेहद ही स्टाइलिश ऑफ शोल्डर गाउन ड्रेस पहनी हुई है। मलाइका अरोड़ा की इस ड्रेस में थाई के पास बड़ा सा कट लगा हुआ है। एक्ट्रेस ने अपनी इन तस्वीरों में एक से बढ़कर एक सेक्सी पोज में फोटोज क्लिक करवाई हैं। अपनी इन तस्वीरों में मलाइका अपना डीपनेक क्लीवेज फ्लॉन्ट करती हुई इंटरनेट पर फैंस के बीच कहर बरपा रही हैं। बालों की पोनीटेल बनाकर और साथ ही ग्लैम मेकअप कर के एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस हर बार अपने स्टाइलिश लुक से फैंस को हैरान कर देती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगता है। मलाइका सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हालांकि फैंस भी उनकी हर एक पोस्ट पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।

दीपिका से प्रेरणा लेकर अपने सपनो को पूरा करने की हिम्मत दिखाना चाहती हुं ज्योति सक्सेना

बॉलीवुड की चकाचौंध भरी दुनिया में, अक्सर उभरते हुए अभिनेता प्रसिद्ध अभिनेताओं को अपना इंस्पिरेशन मानते है। इस तरह ही ज्योति सक्सेना भी दीपिका पादुकोण को अपना प्रेरणा मानती है। अभिनेत्री ज्योति सक्सेना का मानना है दीपिका पादुकोण जिस तरह की फिल्मो का चुनाव करती है और अपने करैक्टर को निभाती है वो काबिले तारीफ है। दीपिका से ही प्रेरणा लेकर वह भी अपने सपनो को पूरा करने की हिम्मत दिखाना चाहती है।

वह आगे केहती है,दीपिका पादुकोण की अपने काम को लेकर डेडिकेशन और अपने किरदार को निभाने की क्षमता ने उन्हें अधिक प्रेरित किया है, दीपिका एक ऐसे अभिनेत्री है जिसने फ़िल्मी दुनिया को एक नई दिशा दी है और अपने बेहतरीन एक्टिंग से लोगो के दिलो में जगह बनाई है।

दीपिका की निडरता ने मुझे ऐसी भूमिकाओं की तलाश करने के लिए प्रेरित किया जो लोगों के मन में एक सार्थक प्रभाव डाल सके और दर्शको के दिलो में जगह बना सके। दीपिका ने जिस ढंग से अपने करियर और अपने पर्सनल लाइफ को बैलेंस किया है वो हर एक लड़की के लिए प्रेरणा दाई है, कहती है अभिनेत्री ज्योति सक्सेना।

अभिनेत्री का मानना, दीपिका की अपने किरदारों को निभाने की कला, उन्हें भी अपने किरदारों की चुनाव को लेकर प्रेरणा देती है, ज्योति को लगता है कि दीपिका एक ऐसी अभिनेत्री हैं जो याद दिलाती हैं कि कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और निरंतर सुधार की प्यास के साथ, वह भी लोगो के दिलो में एक स्थायी प्रभाव बना सकती हूं।

निश्चित रूप से, हम कह सकते हैं कि ज्योति सक्सेना वास्तव में दीपिका पादुकोण की बहुत प्रशंसा करती हैं और हम ज्योति सक्सेना को अपने प्रदर्शन से दर्शकों के दिलों में एक स्थिर छाप छोड़ते हुए देखने का इंतजार नहीं कर सकते।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

बालवाड़ी के बच्चों को शिक्षा से जोड़े रखने ग्रीष्मकालीन सत्र का आयोजन

दुर्ग। समग्र शिक्षा कार्यालय रायपुर एवं आह्वान ट्रस्ट के संयुक्त प्रयास से दुर्ग जिले में बालवाड़ी कार्यक्रम को मजबूती देने के लिए सतत प्रयास जारी है जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी श्री अभय जायसवाल एवं समग्र शिक्षा जिला समन्वयक श्री सुरेंद्र पांडे जी का मार्गदर्शन से बालवाड़ी कार्यक्रम सुदृढ़ीकरण का कार्य जारी है । जिसमें नई शिक्षा नीति के तहत बुनियादी भाषा एवं संख्या ज्ञान की विभिन्न गतिविधियां एवं खेल खेल में सीखना सिखाना जारी रखा गया है । इस दौरान ग्रीष्म काल का सत्र आयोजित किया जा रहा है जिसमें बालवाड़ी के बच्चे एवं कक्षा 1,एवं 2 के बच्चे मजे के साथ शामिल हो रहे हैं इस दौरान विद्यालय परिवार के सदस्य एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के साथ साथ ग्राम पंचायत की समिति एवं जनप्रतिनिधियों का सहयोग प्राप्त हो रहा है । इस पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य शाला में शत प्रतिशत नामांकन कराना । बच्चों के सीखने की ललक पैदा करना, भाषा और गणित की अवधारणा को स्पष्ट रूप से समझना एवं रचनात्मक कार्यों में बच्चों को आगे बढ़ाना । साथ ही बालवाड़ी एवं विद्यालय से समुदाय को जोड़ना और उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना प्रमुख रूप से शामिल है। इस कार्यक्रम के दौरान आहवान ट्रस्ट के जिला समन्वयक प्रदीप कुमार शर्मा साथी तुषार साहू एवं अभिषेक सिंह के साथ प्रधान पाठक नीलू थापा एवं सरपंच प्रतिनिधि इंद्रजीत साहू के साथ बड़ी संख्या में पालक अभिभावक उपस्थित रहे। यह समुदाय को जोड़ने का काम दुर्ग में संचालित समस्त बालवाड़ी में किया जाएगा जिसमें समुदाय का जुड़ाव सुनिश्चित करने और बच्चों के सीखने में घर का वातावरण को भी जोड़ने का प्रयास जारी है।

मध्यम वर्गीय परिवार के लिए गोधन न्याय योजना साबित हो रही अत्यंत लाभकारी

कोरबा। कुछ वर्ष पूर्व जिस गोबर का कोई मोल नहीं था, अब वही गोधन लोगों की आमदनी का प्रमुख जरिया बन रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार की लोक कल्याणकारी गोधन न्याय योजना से राज्य के गौपालक किसान और ग्रामीण महिलाएं प्रत्यक्ष रूप से लाभ कमा रहे हैं। योजनांतर्गत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बनाए गए गौठानों में पशुपालकों से नियमित रूप से गोबर खरीदी की जा रही है। जिससे पशुपालकों को अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है। विकासखण्ड कोरबा के ग्राम पहन्दा निवासी वीरेंद्र सिंह के दिनचर्या में भी गोधन न्याय योजना से सकारात्मक परिवर्तन हुआ है। उन्होंने योजना का लाभ लेते हुए अब तक 25 हजार किलोग्राम से अधिक का गोबर विक्रय कर 50 हजार से अधिक का लाभ अर्जित किया है। हितग्राही ने बताया कि सरकार की गोधन न्याय योजना मध्यम वर्गीय परिवार के लोगों के लिए बहुत ही लाभकारी है। उन्होंने बताया कि गौ पालन कर दुग्ध व्यवसाय उनका घरेलू व्यवसाय रहा है। योजना प्रारंभ होने से पहले केवल दूध के विक्रय से ही लाभ मिलता था। साथ ही कुछ मात्रा में गोबर का उपयोग पारंपरिक रूप से खाद बनाने में करते थे। शेष गोबर का कोई व्यावसायिक उपयोग नहीं होता था। इस कारण उनका इस व्यवसाय से रूझान कम होता जा रहा था। परंतु गोधन न्याय योजना के संचालन से अब उन्हें अब दूध के साथ ही गोबर के विक्रय से दोहरा लाभ मिल रहा है। जिससे उनकी रूचि इस कार्य में और बढ़ गई है। गोबर विक्रय से प्राप्त होने वाले अतिरिक्त आय से उन्हें आर्थिक संबल मिला है। विरेंद्र बताते हैं कि प्राप्त राशि का उपयोग कर उन्होंने अपने व्यवसाय को और आगे बढ़ाया है।

इंजीनियरिंग स्नातकों को नगरीय विकास के क्षेत्र में काम करने का मिलेगा अवसर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इंजीनियरिंग डिग्री धारी युवाओं को अब स्वच्छ ट्यूलिप इन्टर्नशिप'' के माध्यम से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सैनिटेशन, यूज्ड वॉटर, आई.ई.सी. जैसे क्षेत्रों में काम करने का अवसर मिलेगा। नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा राज्य के समस्त निकायों में लगभग 416 युवाओं को मौका दिया जा रहा है। इस इन्टर्नशिप के लिए बीई, बीटेक या सामान्य योग्यताधारी युवा 15 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल तथा नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने राज्य के युवाओं को इस पहल से जुड़ने की अपील की है। नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस इन्टर्नशिप के माध्यम से युवाओं को स्वच्छता मॉडल में काम करने का अवसर मिलेगा और ए.आई.सी.टी.ई. पोर्टल से प्रमाण पत्र भी प्राप्त होगा। इन्टर्नशिप सफलता पूर्वक पूर्ण करने वाले युवाओं को पूरी अवधि हेतु 4 हजार रूपये तक का स्टायफण्ड नगरीय निकायों द्वारा दिए जाने का प्रावधान है। युवाओं को इन्टर्नशिप के अंतर्गत 10 सप्ताह तक नगरीय विकास से संबंधित कार्यक्रमों में काम करना होगा। इन्टर्नशिप के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इसके लिए वेबसाईट में आवेदन करना होगा। इस संबंध में इच्छुक युवा निकायवार आवेदन कर सकते हैं।

कांग्रेस का बस्तर संभाग सम्मेलन संपन्न

फिर से बस्तर की 12 सीटें जीतने का लिया संकल्प, बस्तर संभाग स्तरीय सम्मेलन से कार्यकर्ताओं में भरा जोश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कांग्रेस का संभागीय सम्मेलन बस्तर से शुरू हुआ। बस्तर में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पदाधिकारियों ने आगामी चुनाव की रणनीति बनाया, फिर से बस्तर की 12 सीटें जीतने का लिया संकल्प। बस्तर संभाग स्तरीय सम्मेलन मे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की महासचिव व छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी शैलजा ने कहा की कांग्रेस पार्टी बलिदानों की पार्टी है कई मौकों पर कांग्रेसियों ने बलिदान भी दिया है जिससे प्रेरणा लेकर कार्य करते आए हैं अब फिर संघर्ष का समय आ गया है।

प्रभारी शैलजा ने पूर्व श्रीमती सोनिया गांधी के पार्टी के प्रति समर्पण, अध्यक्ष राहुल गांधी के संघर्ष वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे के अनुभव, प्रियंका गांधी के ऊर्जा के बदौलत जो पार्टी बुलंदी पर खड़ी है उस पार्टी को और आगे ले जाने के लिए कार्यकर्ताओं को अब संघर्ष करने की जरूरत है। इस दौरान छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी शैलजा ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की तारीफ करते हुए कहा कि श्री बघेल ने काम की बदौलत इतिहास रच दिया है तो वही नरेन्द्र मोदी नाम रखने में माहिर हैं। उदाहरण स्वरूप उज्जवला योजना का नाम लिया साथ ही कई नरेंद्र मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों के बारे में भी बताया।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कुमारी शैलजा ने कहा कि हमारी पार्टी में छोटे से छोटे कार्यकर्त्ता को भी सम्मान मिलता है। कार्यकर्त्ता ही पार्टी रूपी शरीर के लिए रीढ़ का काम करते हैं। पार्टी और कार्यकर्त्ता एक-दूसरे के पूरक हैं। आप कार्यकर्ताओं की जो पहचान अपने अपने क्षेत्र में बनी है, वह पार्टी की वजह से ही है। वहीं कार्यकर्ताओं से ही पार्टी का वजूद है। आप जितने जोश के साथ काम करेंगे, पार्टी उतनी ही ज्यादा मजबूत होगी। कुमारी शैलजा ने छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार के कार्यों की खुलकर तारीफ की और कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सूबे की अवाम की भलाई के लिए बढ़िया काम कर रहे हैं। उनके द्वारा शुरू की गई कई योजनाएं दूसरे राज्यों के लिए भी नजीर बन गई हैं। श्री बघेल सबको साथ लेकर चल रहे हैं। पार्टी में कोई भेदभाव और मनमुटाव नहीं है। आप सभी भूपेश बघेल सरकार के अच्छे कामों को लेकर मतदाताओं के बीच अभी से जाना शुरू कर दें और आने वाले चुनावों के लिए उनसे आशीर्वाद मांगें। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा शासनकाल के दौरान 2013 में झीरम घटना का जिक्र करते हुए भावुक हो गए और उनकी आंखें छलक गई। कुछ देर के लिए उनका गला भी रूँध गया। मुख्यमंत्री बघेल अपने आप को संभालते हुए कार्यकर्ताओं में जोश भरा और कहा कि 2013 में नक्सली खौफ का भय भी कार्यकर्ताओं को डिगा नहीं पाया, बस्तर की 12 में से 8 सीटों पर विजयश्री हासिल किया। 2018 के चुनाव में 11 विधानसभा सीटों पर विजय श्री हासिल हुई। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जब लड़ेंगे जीतेंगे के जय घोष किए तो सम्मेलन में मौजूद पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं में गजब का जोश भर गया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि देश को अंग्रेजों की गुलामी से आजादी दिलाने में जो भूमिका कांग्रेस ने निभाई थी, वही भूमिका छत्तीसगढ़ को भाजपा के पंद्रह वर्षों के कुशासन से मुक्ति दिलाने में यहां के कार्यकर्त्ताओं ने निभाई है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि कोई भी जंग अकेले राजा या सेनापति नहीं जीत सकते, जीत तो आप जैसे कांग्रेस के कर्मठ सिपाहियों के दम पर मिलती है। उन्होंने कहा कि बस्तर संभाग के कार्यकर्त्ता पार्टी हित में पूरे समर्पण भाव से काम करते आ रहे हैं। यही वजह है कि संभाग की सभी बारह विधानसभा सीटों पर कांग्रेस को विजय मिल पाई है।

भूपेश बघेल ने कार्यकर्ताओं से कहा कि आप सभी अभी से इस संकल्प के साथ अपने अपने विधानसभा क्षेत्रों में डट जाएं कि हर हाल में सभी सीटों पर कांग्रेस को प्रचंड जीत दिलानी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस पार्टी की संभाग स्तरीय सम्मेलन के संबंध मे रूपरेखा प्रस्तुत किया और कार्यकर्ताओं को आगामी चुनाव के लिए कमर कस कर तैयार रहने को कहा।

गौठान से बदल रही है ग्राम सांकरा 'ज' की तस्वीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी नरवा, गरूवा, घुरूवा एवं बाड़ी योजना के अंतर्गत गांव में निर्मित की गई गौठान के माध्यम से अब गांव एवं ग्रामीणों की तस्वीर बदलने लगी है। गौठानों में संचालित विभिन्न आजीविका मूलक गतिविधियों के फ्लस्वरूप ग्रामीणों एवं स्वसहायता समूह की महिलाओं को हो रहे निरंतर आमदनी से अब महिला एवं ग्रामीण पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनकर राज्य शासन के गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ की परिकल्पना साकार कर रही हैं। इस योजना के फ्लस्वरूप बालोद विकास के ग्राम सांकरा 'ज' में निर्मित गौठान के माध्यम से ग्रामीणों को रोजगार के सुलभ एवं बेहतर अवसर प्राप्त होने से सांकरा 'ज' का तस्वीर पूरी तरह से बदल गई है। गौठान प्रारंभ होने के पश्चात अब सांकरा 'ज' के ग्रामीणों को काम के तलाश में शहरों एवं अन्य स्थान में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। गौठान में विभिन्न आजीविकामूलक कार्यक्रम संचालन होने से ग्रामीणों को अब अपने गांव में ही रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त होने लगे है। जिससे ग्रामीणों में खुशहाली एवं परिवार में समृद्धि आई है। गौठान के आजीविकामूलक कार्यों से अच्छी-खासी आमदनी अर्जित करने के कारण सांकरा 'ज' की महिलाएं अब घरेलु कार्य के साथ-साथ आर्थिक गतिविधियों में भी तेजी से अपनी सहभागिता बढ़ा रही हैं। इस योजना के फ्लस्वरूप महिलाएं अब अपने परिवार की जिम्मेदारी तथा तथा अपने परिवार का समूचित भरण-पोषण कर अपने जीवन स्तर में भी सुधार लाने में सक्षम हो रही हैं और इस योजना के माध्यम से महिलाओं के जीवन में एक नया मोड़ आया है।

उल्लेखनीय है कि ग्राम सांकरा गौठान में अगरबत्ती निर्माण का कार्य जय सतनाम स्वसहायता समूह की महिलाएं कर रही है। इस कार्य में ग्राम के 03 महिला स्वसहायता समूह लगी हुई है। अब तक महिला समूह के द्वारा 842 किलोग्राम अगरबत्ती का निर्माण कर सप्ताहिक बाजार, किराना दुकानों में 01 लाख 10 हजार रुपये की बिक्री की गई है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत पात्र महिलाओं से आवेदन पत्र आमंत्रित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारत शासन द्वारा मिशन शक्ति के अतंर्गत नवीन दिशा निर्देश जारी किए गए है, जिसमें प्रधानमंत्री मातृ योजना अंतर्गत आवश्यक संशोधन किया गया है। जारी नवीन निर्देशों के अनुसार सामाजिक एवं आर्थिक रूप् से कमजोर वर्गो के परिवारों के प्रथम बच्चे के जन्म पर माता को दी जाने वाली 5 हजार रूपये की राशि 3 किश्तों के बजाए अब 2 किश्तों में दिए जाने का निर्णय लिया गया है।

नवीन निर्देशानुसार ऐसे चिन्हांकित परिवारों के प्रथम बच्चे हेतु, गर्भावस्था के पंजीयन पर एवं कम से कम एक बार प्रसव पूर्व जॉच कराए जाने पर (गर्भावस्था के 06 माह के अंदर) पहली किश्त की राशि 3 हजार रूपये दी जाएगी तथा दूसरी किश्त की राशि 2 हजार रूपये बच्चे के जन्म पंजीकरण तथा बीसीजी, पोलियों, डीटीपी एवं हेपेटाइटिस-बी या इसके समानान्तर/ विकल्प का प्रथम चक्र का टीका लगाए जाने के पश्चात देय होगा। इसके अतिरिक्त इस योजना के तहत अब 01 अप्रैल 2022 के बाद पूर्वत: चिन्हांकित सामाजिक एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो के परिवार में जन्मे द्वितीय संतान के बालिका होने पर एकमुश्त 6 हजार रूपये के लाभान्वित किया जायेगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार उक्त योजना के तहत लाभ प्राप्त करने हेतु चिन्हांकित माता का आधार नम्बर, बैंक खाते की जानकारी जो आधार से लिंक हो, मातृ शिशु रक्षा कार्ड (एमसीपी कार्ड) का क्रमांक, द्वितीय संतान बालिका होने की स्थिति में जन्म प्रमाण पत्र, द्वितीय बालिका संतान को प्रथम चक्र हेतु निर्धारित सभी टीके लगे होने संबंधी प्रमाण पत्र एवं हितग्राही का जीवित मोबाईल नम्बर अनिवार्य है। इसके साथ ही संबंधित माता की योग्यता को प्रमाणित करने के लिए संबंधित महिला का ई-श्रम कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, 08 लाख रूपये से कम वार्षिक आय होने संबंधी आय प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, दिव्यांगता प्रमाण पत्र में से कोई भी 2 प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना अनिवार्य है।

योजना से संबंधित अन्य जानकारियों प्राप्त करने तथा पात्रता अनुसार लाभ प्राप्त करने के लिए निकट के आंगनबाड़ी केन्द्र में आवश्यक अभिलेखों सहित स्वयं का पंजीकरण कराया जा सकता है। सभी जानकारियों व अभिलेख प्राप्त होने पर संबंधित महिला की जानकारियाँ संबंधित आंगनबाडी कार्यकर्ता के द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के नवीन सॉफ्टवेयर में दर्ज की जावेगी।

एक रेल-एक नंबर

दपूमरे सहित पूरे भारतीय रेलवे में बस एक डायल पर सिक्योरिटी से लेकर इंक्वायरी तक हर समस्या का मिलेगा समाधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर (पीआईबी)। देश की लाइफलाइन भारतीय रेलवे जिससे हर दिन करोड़ों की संख्या में यात्री यात्रा करके अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचते हैं। यात्रियों की बड़ी संख्या को देखते हुए रेलवे हर समय यात्रियों की सुविधा के लिए नए-नए कदम उठाता रहता है। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए एक हेल्पलाइन नंबर (Helpline Number) जारी किया है।

इस नंबर के जरिए यात्रियों को हर समस्या का समाधान मिलता है। अक्सर लोगों के रेल से जुड़ी कोई भी जानकारी लेने के लिए लंबी-लंबी लाइनों में लगना पड़ता था तथा अलग अलग तरह की सूचनाओं के लिए अलग अलग हेल्प लिने नंबर जारी किए गए थे। इन सब अलग अलग नंबरों को याद रखना आसान नहीं था। भारतीय रेलवे ने इस समस्या से छुटकारा दिला दिया है। दरअसल रेलवे ने यात्रियों के लिए एक खास सुविधा शुरू की है। इस खास

सुविधा के तहत अब कोई भी यात्री बस एक नंबर पर कॉल करके ट्रेन से याभारतीय रेलवे से जुड़ी किसी भी जानकारी के बारे में पता लगा सकता है।

हेल्पलाइन नंबर एक है, लेकिन इससे मिलेगी जानकारी अनेक। इसके साथ ही यात्रियों से आग्रह करते हुए रेलवे ने भारतीय रेल से संबंधित किसी भी जानकारी या शिकायत के लिए रेल मदद हेल्पलाइन नंबर- 139 डायल करने के लिए कहा है। यह नंबर 24 घंटे सातो दिन यात्रिओं के लिए उपलब्ध रहेगा। इंडियन रेलवे की 139 हेल्पलाइन नंबर आईवीआरएस यानी इंटरेक्टिव वॉयस रिस्पॉन्स सिस्टम पर आधारित है। इसमें आपको कई भाषाओं में जानकारी मिल सकती है। दरअसल, इस नंबर पर कॉल करने से आपको सुरक्षा, चिकित्सा सहायता, दुर्घटना की जानकारी, ट्रेन से जुड़ी शिकायत, स्टेशन से संबंधित शिकायत, सतर्कता जानकारी, पार्सल पूछताछ, सामान्य जानकारी, शिकायत कार्रवाई की स्थिति जैसी सुविधाएं मिलेंगी।

139 पर कॉल करके निम्न सर्विस की सहायता प्राप्त किया जा सकती है

- सुरक्षा संबंधी जानकारी के लिए 1दबाएं
- मेडिकल इमरजेंसी के लिए 2 दबाएं
- ट्रेन दुर्घटना से जुड़ी सूचना के लिए 3 दबाएं
- ट्रेन से जुड़ी कोई शिकायत के लिए 4 दबाएं
- आम शिकायतों के लिए 5 दबाएं
- विजिलेंस से जुड़ी जानकारी के लिए 6 दबाएं
- माल भाड़ा, पार्सल संबंधी जानकारी के लिए 7 दबाएं
- शिकायत का स्टेटस/स्थिति के लिए 8 दबाएं
- किसी स्टेशन, सतर्कता और भ्रष्टाचार की शिकायत के लिए 9 दबाएं
- कॉल सेंटर अधिकारी से बात करने के लिए दबाएं
- पूछताछ: PNR , किराया और टिकट बुकिंग से जुड़ी जानकारी के लिए 0 दबाएं

SMS से ले सकते हैं जानकारी

139 नंबर IVRS - इंटरएक्टिव वॉयस रिस्पांस सिस्टम पर आधारित है। सभी मोबाइल फ ोन यूजर्स 139 पर कॉल कर सकते हैं। इस नंबर पर यात्री, ट्रेन से संबंधित पूछताछ और PNR स्टेट्स, टिकट (सामान्य और तत्काल) की उपलब्धता, ट्रेन आगमन, प्रस्थान की तरह आरक्षण संबंधी पूछताछ के लिए एक स्म्स भेजकर भी जानकारी हासिल कर सकते हैं।

अंदरुनी क्षेत्रों के बच्चों को सीखते देख मिलती है खुशी-लखमा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बीजापुर के स्कूली बच्चों के बीच पहुंचे उद्योग मंत्री कवासी लखमा समर कैम्प में उत्साह के साथ खेल, नृत्य, वादन, मूर्ति कला, चित्रकारी आदि में भाग लेते बच्चों को देखकर भावुक हो गए। उन्होंने बच्चों के साथ मिलकर खुशियां बांटी। गौरतलब है कि वर्ष 2005 के दौरान सलवा जुडूम के समय हजारों स्कूले बंद हो गई थी जिसमें केवल बीजापुर जिले के ही 300 स्कूल बंद हुए थे, इनमें से 200 स्कूलों को पुन: शुरू किया गया है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की पहल पर बस्तर अंचल के बंद पड़े इन स्कूलों को स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से पुन: संचालित कराने के लिए अभियान छेड़ा गया था। बीजापुर में फिर से शुरू कराए गए इन स्कूलों के बच्चों में आत्मविश्वास भरने उनके प्रतिभा को निखारने के लिए एक साथ एक हजार बच्चों को समर कैंप में विभिन्न गतिविधियां सिखाई जा रही है जिसमें सभी प्रकार के खेल, नृत्य, वादन, मूर्ति कला, चित्रकारी सहित बच्चों के रुचि के अनुसार उनको उन विद्या मे निपुण बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उद्योग मंत्री श्री लखमा ने कहा वे स्वयं पढ़ाई से वंचित रह गए, इसलिए पढ़ाई के महत्व को बहुत अच्छे से समझते हैं और वे नहीं चाहते कि कोई भी गरीब, आदिवासी बच्चा पढ़ाई से वंचित हो इसलिए हमने शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्थानीय शिक्षित युवाओं के सहयोग से स्कूलों को प्रारंभ किए गए हैं।

स्थानीय युवाओं को शिक्षादूत के रूप में चयन कर रोजगार से जोड़ने की यह पहल बहुत ही सराहनीय है। उद्योग मंत्री कवासी लखमा बंद पड़े स्कूलों को फिर से प्रारंभ कराने में क्षेत्रीय विधायक विक्रम मंडावी और कलेक्टर राजेन्द्र कुमार कटारा सहित जिला प्रशासन के पूरी टीम बधाई दी। समर कैंप में शामिल बच्चों के साथ मंत्री श्री कवासी लखमा ने नृत्य में भाग लेकर खुशियां बांटी। बच्चों ने भी उन्हें अंग्रेजी, हिन्दी एवं गोण्डी, हल्बी में गीत सुनाया। श्री लखमा ने इन बच्चों को शाबासी दी।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ियम, उपाध्यक्ष कमलेश कारम, जिला पंचायत एवं बस्तर विकास प्राधिकरण के सदस्य श्रीमती नीना रावतिया उद्दे, युवा आयोग के सदस्य प्रवीण डोंगरे, कलेक्टर राजेन्द्र कुमार कटारा, सीईओ जिला पंचायत रवि कुमार साहू सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सूने मकानों में चोरी करने वाले दो शातिर व एक खरीदार गिरफ्तार, 6 मामलों का खुलासा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के थाना अमलेश्वर क्षेत्र में घूम-घूमकर सूने मकानों को निशाना बनाने वाले दो शातिर चोरों व एक खरीदार को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन दोनों ने मिलकर आसपास 6 चोरियों की घटनाओं को अंजाम दिया। स्कूटी से घूम-घूम कर पहले रेकी करते और उसके बाद रात को वारदात को अंजाम देते थे। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। सीसी टीवी फुटेज की मदद से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास सोने एवं चांदी के जेवरात, 1 नग लैपटाप सहित घटना में प्रयुक्त वाहन आदि कुल 11 लाख का मशरुका बरामद किया गया। इस मामले में शुक्रवार को एसपी शलभ कुमार सिन्हा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस ली।

बता दें बीते कुछ दिनों में अमलेश्वर क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं सामने आ रही थी। इस मामले में शिकायतों के बाद पुलिस ने चोरों पर निगरानी शुरू की। इस दौरान आसपास के सीसी टीवी फुटेज जांचे गए। इस दौरान एक चोरी की घटना के बाद एक्टीवा स्कूटी में पचपेड़ी नाका होते हुये माना रायपुर की ओर संदिग्ध जाते दिखाई दिए। सीसीटीवी फुटेज का पीछा कर सदाणी दरबार धमतरी रोड तक पहुंचे। इसके बाद आसपास के स्थानीय लोगों को फुटेज दिखा कर पतासाजी किया गया। जिससे संदेही की पहचान सुरेन्द्र विश्वकर्मा निवासी हाउसिंग बोर्ड कालोनी बोरियाकला के रूप में हुई।

आरोपी की पहचान होने के बाद उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने पहले गुमराह किया लेकिन बाद में उसने बताया कि उसने अपने साथी जितेन्द्र विश्वकर्मा के साथ मिलकर बुल-लैण्ड कालोनी में विगत 03 माह से सूने मकानों में चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरी की मशरूका लक्ष्मी नगर रायपुर निवासी शिवशंकर राय को बेचना बताया। आरोपियों की निशानदेही में उनके कब्जे से सोने के कंगन, चैन, नेकलेस, झुमका, टॉप्स, अगुठी, नाक का फुल्ली, मंगलसूत्र, ईयरिंग, हार, पेंडल चांदी के जेवर पायल, करधन, बिछिया, बच्चो का करघन. 01 नग लैपटाप, सोना 145 ग्राम एवं चांदी 700 ग्राम एवं नगदी 10 हजार रूपए जुमला कीमती लगभग 11 लाख रुपए तथा घटना में प्रयुक्त आलाजरब, लोहे का रोड एवं घटना में प्रयुक्त एक्टिवा स्कूटी जब्त किया गया। अग्रिम कार्रवाई थाना अमलेश्वर से की जा रही है।

इस पूरी कार्रवाई में एण्टी क्राईम सायबर यूनिट से एएसआई चंद्रशेखर सोनी, पूर्ण बहादुर, प्रधान आरक्षक रूमन सोनवानी, चंद्रशेखर बंजीर, पंकज चतुर्वेदी, मेघराज चेलक, चंद्रा, उपेन्द्र यादव, चित्रसेन, अमित दूबे, विक्रांत कुमार, रिंकू सोनी, भावेश पटेल थाना अमलेश्वर से राजकुमार एसआई विजय मिश्रा एएसआई गणेश साहू प्रधान आरक्षक सतीश कश्यप, सुनील वर्मा, लक्ष्मी वर्मा की उल्लेखनीय भूमिका रही।

खास-खबर

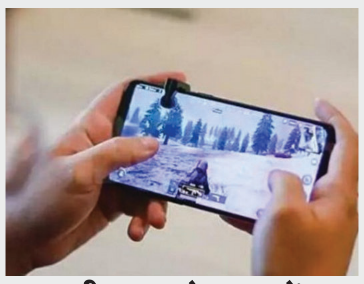

फ्री फायर के प्यार में रफूचक्कर घर से 1 लाख लेकर फरार लड़की त्रिपुरा में बांग्लादेश के बॉर्डर पर मिली, एक महीने से थी लापता

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से लापता हुई युवती को पुलिस ने त्रिपुरा में बांग्लादेश बॉर्डर से बरामद किया है। युवती करीब एक माह पहले लापता हुई थी। उसके बाद परिजनों ने कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी। बताया जा रहा है, फ्री फायर गेम के जरिए युवती की पहचान किसी धर्म विशेष के युवक से हुई। हालांकि, युवती बालिग है और अपनी मर्जी से जाने की बात कह रही है। वहीं परिजनों का कहना है कि वह चाहते हैं कि उनकी बेटी बस घर वापस आ जाए। फिलहाल हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई 12 जून को होगी।

दरअसल, मामला सकरी क्षेत्र के लोखंडी गांव का है। यहां रहने वाली एक युवती एक मई को घर से निकली और फिर नहीं लौटी। परिजनों ने आसपास काफी तलाश किया, जब पता नहीं चला तो अगले दिन गुमशुदगी दर्ज करा दी। 15 दिन बाद भी जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो परिजनों ने मामले में अधिवक्ता संदीप श्रीवास्तव के माध्यम से कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने तलाश शुरू की। युवती के मोबाइल लोकेशन से पता चला कि वह त्रिपुरा में बांग्लादेश बॉर्डर पर है।

पुलिस ने उसे बरामद कर वेकेशन कोर्ट में प्रस्तुत किया। यहां पूछताछ में पता चला कि फ्री फायर गेम के जरिए उसकी पहचान किसी लड़के से हुई थी। वह उसी के साथ रह रही थी। घर से जाने के दौरान वो अपने साथ एक लाख रुपए भी लेकर गई थी। इसके साथ ही युवती खुद को बालिग बताते हुए अपनी मर्जी से युवक के पास जाने की भी बात कह रही है। युवती उसका नाम कभी अब्दुल तो कभी अरमान बता रही है। इधर परिजन चाहते हैं कि, युवती वापस घर आ जाए। बहरहाल, पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

शेयर मार्केट में पैसे डबल करने का दिया झांसा, 25 लाख ठगे

रायपुर (ए)। शेयर मार्केट में निवेश पर एक माह के भीतर दोगुना पैसा देने का झांसा देकर राजस्थान और गुजरात के दो ठगों ने रायपुर के कारोबारी से 25.40 लाख की ठगी कर ली।

आरोपियों ने एक दर्जन से ज्यादा लोगों से ठगी की है। हालांकि कुछ दिन पहले ही मुख्य आरोपी फिरोज उस्मान लखानी को एसीसीयू ने चना सप्लाई के नाम पर ठगी के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा है। अब उसके खिलाफ एक और मामला दर्ज की गई है। फिरोज हवाला के कारोबार से भी जुड़ा है। उसने यहां के कुछ कारोबारियों का पैसा हवाला किया था। उसमें हेरफेर की चर्चा है। पुलिस अफसरों ने बताया कि अमलीडीह निवासी राहुल डोडवानी की 2021 में राजस्थान के बबलू शर्मा से मुलाकात हुई। उसने खुद को शेयर ट्रेडिंग करने वाला बताया ।उसने बताया कि उसका साथी फिरोज उस्मान लखानी बड़ा कारोबारी है। रायपुर के एक दर्जन लोगों के शेयर का काम देखता है। उसी के जरिये वह एक महीने में ही पैसे दोगुने मुनाफे के साथ लौटाता है। राहुल झांसे में आ गया। उसने अलग-अलग किश्त में 25.40 लाख जमा कर दिया। आरोपी पैसा लेकर भाग निकले। पुलिस बबलू की तलाश कर रही है।

रायपुर में कारोबारी युवक के अपहरण से मचा हड़कंप, नाकेबंदी के बीच आधी रात कवर्धा में मिला युवक

रायपुर। राजधानी रायपुर में शुक्रवार रात को कारोबारी युवक के अपहरण से हड़कंप मच गया। रात 9 बजे के आसपास फिल्मी स्टाइल में बदमाशों ने युवक को एसयूवी में बिठाया और लेकर चले गए। जैसे ही पुलिस को अपहरण की सूचना मिली पूरे शहर की नाकेबंदी कर दी गई। रात भर की तलाश के बाद आधी रात के बाद कवर्धा में युवक सकुशल मिला। यह वारदात डंगनिया मोड़ सुंदर नगर इलाके में हुई। युवक के मिलने के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली।

मिली जानकारी के अनुसार इंटीरियर प्रोडक्ट्स की दुकान चलाने वाले सिद्धार्थ नाम के युवा कारोबारी अपनी दुकान में बैठा था। इस दौरान रात करीब 9 बजे दुकान के बाहर SUV आकर रुकी। एसयूवी से तीन से चार लोग उतरे और दुकान में घुस का सिद्धार्थ से मारपीट की। चारों बदमाश सिद्धार्थ को एसयूवी में बिठाकर ले गए। घटना की सूचना के बाद डीडी नगर पुलिस ने रायपुर, लाखेनगर, पुरानी बस्ती, टिकरापारा आदि क्षेत्रों में नाकेबंदी कर दी। इसके बाद कारोबारी की तलाश शुरू कर दी। रात एक बजे पुलिस को सूचना मिली कि कारोबारी सिद्धार्थ को अपहरणकर्ता कवर्धा में छोड़कर फरार हो गए है।

इधर राजधानी के अति व्यस्थ क्षेत्र से इस तरह किसी कारोबारी का अपहरण होने से व्यापारियों में आक्रोश है। पुलिस का मानना है कि अपहरण के पीछे रुपए के लेनदेन का मामला हो सकहा है। हालांकि अभी तक यह पता नहीं चला है कि कारोबारी का अपहरण करने वाले कौन है। फिलहाल पुलिस इसके सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

मोबाइल चोरी के आरोप में युवक की पीट-पीटकर हत्या, सुबह मिली लाश तो खुला मामला

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में मोबाइल चोरी के आरोप में एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है। शादी में डीजे पर डांस करने के दौरान वहां रखा एक मोबाइल युवक ने उठा लिया। तलाशी के दौरान मोबाइल युवक के पास बरामद हो गया। फिर क्या था नशे में धुत आरोपियों ने युवक को पहले बुरी तरह पीटा और उसके बाद घसीटते हुए खेत में ले गए जहां उसकी गला दबा कर हत्या कर दी। दूसरे दिन सुबह युवक की लाश मिली। इस मामले में पुलिस 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला कुसमी थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम नवडीहा निवासी अनुरंजन केरकेट्टा (22) बुधवार को अपने साथी बिजेंद्र मिंज और आनंद मिंज के साथ गोविंदपुर में रिश्तेदार सुरेंद्र मिंज की बेटी की शादी में शामिल होने गया था। रात करीब 10 बजे विदाई के बाद डीजे में गांव के युवक डांस कर रहे थे। अनुरंजन केरकेट्टा भी डांस करने लगा। वहां पर दो मोबाइल रखे हुए थे। इसमें से गोविंदपुर के युवक नरेंद्र राम का मोबाइल अनुरंजन ने उठा लिया। मोबाइल गायब होने की जानकारी मिलने पर नरेंद्र राम के साथियों ने तलाश की।

गांव के युवक विरेश बड़ा, प्रकाश चंद, विनोद बड़ा, अमृतराम, रूपदेव राम और नरेन्द्र राम सहित अन्य युवकों ने मोबाइल के बारे में पता किया तो वह अनुरंजन के पास से बरामद हो गया। इसके बाद नशे में धुत युवकों ने अनुरंजन को पीटना शुरू कर दिया। उसे मारते हुए खेत की ओर ले गए और उसका गला दबा दिया। शेष युवकों ने उसके चेहरे, सीने और कनपटी पर लात-घूसों से मारा। इससे अनुरंजन बेहोश हो गया। इसके बाद उसे वहीं छोड़कर सभी फरार हो गए।

दूसरे दिन गुरुवार की सुबह अनुरंजन का शव खेत में पड़ा मिला। इसके बाद गांव वालों ने इसकी सूचना पुलिस व परिजनों को दी। परिजनों की शिकायत पर एसपी डा. लाल उमेद सिंह ने एसडीओपी रितेश कुमार चौधरी के नेतृव में टीम गठित कर जांच शुरू की। जांच के दौरान युवक की पिटाई की बात सामने आई। इस मामले में देर शाम विरेश बड़ा (25), रूपदेव राम (23), प्रकाश चंद (18), विनोद बड़ा (28), अमृत राम (36), नरेन्द्र राम (32) को गोविंदपुर से गिरफ्तार किया गया। हत्या के मामले में सभी कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

जगदलपुर में तेंदूपत्ता से भरी ट्रक पलटी, बाल-बाल बची कई जानें

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। शहर के गुरुनानक चौक पर शनिवार की सुबह तंदूपत्ता से भरी ट्रक वह अनियंत्रित होकर पलट गई। इस घटना में ट्रक चालक व हेल्पर को चोटें आई हैं लेकिन उन्हें कोई खतरा नहीं है। जिस समय हादसा हुआ मौके पर कई लोग मौजूद रहे। एक तरह से देखा जाए तो बड़ा हादसा टला है और कई लोग बाल-बाल बचे हैं। घटना की सूचना मिलते ही बोधघाट पुलिस मौके पर पहुंची।

बोधघाट पुलिस ने बताया कि बीजापुर से तेदुपत्ता से भरा ट्रक नादगांव के लिए रवाना हुआ था। जिसके बाद जैसे ही ट्रक जगदलपुर के गुरुनानक द्वार के पास मोड़ पर पहुंचा। ट्रक चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया। जिसके बाद ट्रक सड़क किनारे पलटी गया। घटना जिस जगह हुई है। वहां रोजाना आटो चालकों के साथ ही मजदूर बैठकर काम की तलाश करते हैं। सुबह हुए हादसे के चलते एक बड़ी घटना होने से टल गई। इसके अलावा वहीं एक ट्रांसफार्मर भी लगा हुआ है, जिसके चपेट में आने से ट्रक बच गया नहीं तो एक बड़ा हादसा हो सकता था।

दुष्कर्म का आरोपी मेडिकल कॉलेज से हथकड़ी निकालकर भागा, देखते रह गए संतरी, होना था बवासीर का ऑपरेशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर मेडिकल कालेज अस्पताल के जेल वार्ड में भर्ती दुष्कर्म का आरोपी कैदी गुरुवार देर रात हथकड़ी निकालकर फरार हो गया। बंदी को मनेंद्रगढ़ जेल से इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज लाया गया। बंदी को बवासीर की शिकायत थी और उसका दो दिन में ऑपरेशन होने वाला था। खासबात यह है कि जिस समय बंदी भागा उस समय जेल संतरी वार्ड के बाहर ड्यूटी पर थे।

मिली जानकारी के अनुसार मनेंद्रगढ़ पुलिस ने बिहार के बेगुसराय में ग्राम नवागोठी निवासी गोपाल रजक (29) को दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार किया था। घटना के समय वह मनेन्द्र गढ़ में रहता था। पुलिस ने उसने जेल भेज दिया था। इस बीच उसकी तबीयत खराब होने पर जांच की गई तो बवासीर से पीड़ित मिला। इसके बाद जेल उसे 30 मई को अंबिकापुर सेंट्रल जेल भिजवा दिया। सेंट्रल जेल से उसे इलाज के लिए मेडिकल कालेज अस्पताल के जेल वार्ड में रखा गया था।

मेडिकल कालेज अस्पताल में जांच के बाद बंदी ने आपरेशन के लिए सहमति भी दे दी थी। आने वाले एक दो दिन में उसका ऑपरेशन होना था। इस बीच गुरुवार देर रात करीब 12 बजे बिस्तर में बंधी हथकड़ी को कलाई से खिसकाकर पिछले दरवाजे से आरोपी गोपाल रजक फरार हो गया। बंदी की निगरानी के लिए तैनात संतरियों को इसकी भनक भी नहीं लगी। बंदी के भागने के कुछ देर बाद जब संतरी वार्ड में पहुंचे तो बंदी गायब मिला। इसके बाद उसकी काफी तलाश की गई लेकिन उसका कुछ भी पता नहीं चला। दुष्कर्म के विचाराधीन बंदी के भाग निकलने से यहां के सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद

Phone No.:- 07749-222370, Email Id:- ee-resbalod@gov.in

संक्षिप्त निविदा सूचना तृतीय बार

क्रमांक/11/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2023-24 बालोद, दिनांक 02.06.2023

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में ''डी''-वर्ग एवं उच्च श्रेणी में ठेकेदारों पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र-''अ'' पर दर्शित कार्य हेतु प्रतिशत दर प्राप्त करने निविदा दिनांक 09.06.2023 तक आमंत्रित की जाती है तथा प्राप्त निविदाओं को दिनांक 12.06.2023 को समय 11.30 बजे खोली जावेगी।

क्र.	कार्य का विवरण	निविदा की राशि लाख में
1	विभिन्न स्कूलों भवनों में मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य वि.खं.-डौण्डीलोहारा ग्रुप क्रमांक-17, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 35, 36,38, 39, 40 एवं 43	220.95

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी वेब पोर्टल https://res.cg.gov.in में दिनांक 02.06.2023 से देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
जिला-बालोद (छ.ग.)

जी-01945/7

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास खबर

महापौर संग गोठ के तहत : महापौर ने वार्ड 39 चंद्रशेखर आजाद नगर का किया दौरा

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में निगम तुहर द्वार अंतर्गत महापौर संग गोठ के जरिए शिविर का आयोजन आज वार्ड 39 चंद्रशेखर आजाद नगर में किया गया। चंद्रशेखर आजाद नगर वार्ड का महापौर नीरज पाल ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया और लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं से रूबरू हुए। प्राप्त समस्याओं के निराकरण के लिए उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को निर्देशित किया। शिविर में आवेदन लेकर पहुंचे लोगों की समस्याओं को भी महापौर ने गंभीरता से सुना। महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक आवेदनों का परीक्षण करते हुए निराकरण किया जाए। त्वरित समाधान योग्य आवेदन पर शीघ्रता से कार्यवाही की जाए। शिविर में सुभाष नगर के कुछ लोगों ने महापौर से पुरानी पाइप लाइन के जगह नई पाइप लाइन बिछाने की मांग की जिस पर महापौर ने नई पाइप लाइन बिछाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। शिविर में प्रमुख रूप से मुख्यमंत्री मितान योजना, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, श्रम कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सफाई कार्य तथा मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना से संबंधित आवेदनों का निराकरण किया गया।

गोधन न्याय योजना से चरवाहा चंद्रकांत यादव की खुली किस्मत

दुर्ग। गोधन न्याय योजना गौपालकों और चरवाहों के जीवन में खुशहाली लेकर आया है। श्री चंद्रकांत यादव ने कभी नही सोचा था कि गोधन न्याय योजना से उसकी किस्मत का ताला खुल जाएगा। उसने सपने भी नही सोचा था कि वह गोबर बेचकर लाखों रूपए कमा सकेगा, लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार की गोधन न्याय योजना चंद्रकांत यादव के लिए एक वरदान साबित हुई। दुर्ग जिले के ग्राम पंचायत भानपुरी के चरवाहा चंद्रकांत यादव ने बताया कि इस योजना के शुरू होने के पहले अपने पारिवारिक जरूरतों को पूरा करने के लिए बहुत जुझना पड़ता था। उन्होंने बताया कि गोधन न्याय योजना के तहत अब तक 2 लाख रूपए का गोबर विक्रय कर चुका हूँ। मैं और मेरा परिवार गोबर इकठ्ठा कर उसे गौठान में विक्रय करने के लिए ले जाते हैं।

भेंट मुलाकात : सेक्टर -8 पहुंचे विधायक देवेन्द्र

चाय की चुस्की के संग लोगों के साथ हुई विकास पर चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव लगातार भेंट मुलाकात कर रहे हैं। साथ ही लोगों को कई सौगातें भी दे रहे है। इस कड़ी में वे गुरुवार को सेक्टर 8 पहुंचे। जहां उन्होंने सेक्टर 8 वार्ड के नागरिकों को एक और बड़ी सौगात दी। उन्होंने जनता की मांग पर सर्व सुविधा युक्त करीब 10 लाख की लागत से बैडमिंटन कोर्ट बनवाया है।

जिसका लोकार्पण किया गया। इससे वार्ड के युवाओं व नागरिकों में बहुत हर्ष का माहौल रहा। साथ वार्ड का भ्रमण किए। लोगों से भेंट मुलाकात की और सब का बारी-बारी से कुशल क्षेम जाना। जमीन पर बैठकर विधायक यादव ने लोगों के साथ बैठकर चाय पिया और वार्ड और शहर की समस्याओं के साथ विकास पर चर्चा की। विकास की बातें हुई। लोगों ने अपने वार्ड की छोटी मोटी समस्याएं बताई। लोगों ने विकास को लेकर लंबी और सार्थक चर्चा की। लोगों ने बताया कि बीते कुछ सालों में जब से वे विधायक बने है, तब से लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। सेक्टर में सड़क, नाली, बिजली, पानी, उद्यान सौंदर्यीकरण से लेकर सभी सड़को को धूल मुक्त करने के लिए पेवर ब्लॉक लगाया जा रहा है।

सिर्फ यही नहीं सीएम भूपेश बघेल की महत्वाकांक्षी योजनाओं से वार्ड के लगभग हर परिवार का राशन कार्ड बनाया गया है। सब को चावल मिल रहा है। श्रम कार्ड बनाया गया है। आयुष्मानकार्ड बनाया गया है। सड़क, नाली, पानी की समस्याएं भी दूर हुई। जब विधायक देवेंद्र यादव को लोग अपने वार्ड में देखे तो सब खुश हो गए। लोगों ने बताया कि पहले पानी की समस्या थी, लेकिन अब पानी की समस्या दूर हो गई है। इसके लिए सभी वार्डवासियों ने विधायक का आभार जताया धन्यवाद किया। यही वार्ड में गली में पेड़ के छाव में चटाई बिछाकर चौपाल लगाया गया, जहां सभी ने चर्चा की। इसके बाद लोगों के साथ बैठकर विधायक ने जलपान किया।

जन सुविधाओं से जुड़े मूलभूत कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहरी क्षेत्र में चल रहे लगभग 80 करोड़ से अधिक के मूलभूत विकास कार्यों की प्रगति एवं नए प्रस्तावों के त्वरित क्रियान्वयन हेतु वरिष्ठ कांग्रेस विधायक व राज्य भंडारगृह निगम के अध्यक्ष अरुण वोरा ने महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त लोकेश चंद्राकर की मौजूदगी में निगम अधिकारियों की जमकर क्लास ली। सर्किट हाउस में 4 घंटे तक चली मैराथन बैठक में वोरा ने अधिकारियों से दो टूक शब्दों में कहा कि बड़े विकास कार्यों के साथ ही 60 वार्डों में सड़क, नाली, साफ सफाई, प्रकाश व्यवस्था एवं पेयजल संबंधित कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं कि जाएगी। जन सुविधाओं में विस्तार के लिए ही शासन से राशि स्वीकृत कराई गई है किंतु विकास कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने की जवाबदेही निगम अधिकारियों एवं अभियंताओं की है। मुक्तिधाम मार्ग, गौरव पथ, ठगड़ा बांध, शंकर नाला जैसे शहर के महत्वाकांक्षी निर्माण कार्यों को बरसात के पहले पूर्ण किया जाए प्रत्येक सप्ताह प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। पेयजल संकट से ग्रसित वार्डों को चिन्हित कर पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करें। 1.6 करोड़ की पंप खरीदी तत्काल की जाए। जे आर डी में बन रहे 1.5 करोड़ के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, 6.64 करोड़ के गौरवपथ, 5 करोड़ के मुक्तिधाम मार्ग निर्माण, 16 करोड़ के ठगड़ा बांध पर्यटन स्थल की कार्यगति संतोषजनक नहीं है 15 दिनों के अंदर कार्यों की प्रगति दिखाई देनी चाहिए।

विश्व पर्यावरण दिवस जागरूकता के लिए आयोजित की गई चित्रकला प्रतियोगिता

दुर्ग। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, भिलाई-दुर्ग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस सप्ताह के अवसर पर 2 जून 2023 को शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला, दुर्ग में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन में शाला की 40 छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण हेतु अपनी अभिव्यक्ति चित्रकला के माध्यम से प्रस्तुत की गई। जिसमें सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभाव को दर्शाया गया। शाला की प्राचार्या डॉ. कृष्णा अग्रवाल द्वारा बच्चों को अपने संदेश में पर्यावरण की सुरक्षा और लोकहित पर किये जाने वाले कार्यों की जानकारी दी। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, भिलाई के नन्दकुमार पटेल द्वारा मिशन लाईफके अंतर्गत अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण हितैषी आदतों को सम्मिलित करने हेतु बताया गया भविष्य की चिंता करते हुए पर्यावरण संरक्षण हेतु वर्ष भर विभिन्न गतिविधियां संचालित करने जागरूकता अभियान चलाये जाने हेतु प्रेरित किया गया। ईको क्लब, कम से कम प्लास्टिक के उपयोग को हितकर बताना व दैनिक जीवन में प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े व जूट के थैलों का उपयोग करने के लिये प्रोत्साहित किया गया।

सम्पर्क क्रांति परिवार की प्रदेश अध्यक्ष बनी भिलाई की अस्मिता बेनर्जी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारत की साहित्यिक, सामाजिक एवं संस्कृति के संरक्षण के लिए संकल्पित राष्ट्रवादी सामाजिक संगठन सम्पर्क क्रांति परिवार की प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भिलाई की अस्मिता बेनर्जी को नियुक्त किया गया। उन्हें यह नियुक्ति सम्पर्क क्रांति परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव विनायक शर्मा व राष्ट्रीय महासचिव सोमा सर्बजना ने दी है। शुक्रवार को सेक्टर-10 में आयोजित एक समारोह में अस्मिता बेनर्जी को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव विनायक शर्मा एवं राष्ट्रीय महासचिव सोमा सर्बजन का अभिनंदन कर उन्हें सम्मानित किया गया।

आज के समारोह में सम्पर्क क्रांति परिवार की कार्यप्रणाली की भी जानकारी दी गई। छत्तीसगढ़ प्रदेश इकाई के अध्यक्ष के रूप में अस्मिता बनर्जी की नियुक्ति के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव विनायक शर्मा ने कहा

कि भूतकाल का गौरव वर्तमान की पीड़ा और भविष्य के सुनहरे सपने ही समाज में नई जागृति लाते हैं। सम्पर्क क्रांति परिवार दिव्य एवं भव्य भारत की वर्तमान और आने वाली नई पीढ़ी में भूतकाल का गौरव और सृजन की नई प्रेरणा के साथ भारत के सामाजिक, साहित्य, कला और संस्कृति के विविध रूपों को बढ़ावा देने और समृद्ध करने के एक प्रयास का राष्ट्रवादी सांगठनिक स्वरूप है। उन्होंने बताया कि संगठन के उद्देश्य, शुभ संकल्पों के साथ संगठन के द्वारा किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की और कहा कि राष्ट्र की हमारा एकमात्र जागृत देवता है। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष पर पूर्ण विश्वास जताते हुए श्री शर्मा ने कहा कि इनकी नियुक्ति से छत्तीसगढ़ प्रांत में छत्तीसगढ़ के साहित्य, कला, सामाजिक संस्कृति के साथ-साथ नारी जाति के उत्थान,संस्कार, सर्वोदयता, समता सहित प्रभावशाली राष्ट्रव्यापी कार्यक्रमों की नींव रखी जाएगी। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव सोमा सर्बजना सहित छत्तीसगढ़ के नृत्यमणि मिथुन दास, गीत वितान कला केंद्र, निगम पार्षद अनूप डे नगर निगम, रिसाली, शिप्रा भौमिक संस्थापक गीत वितान कला केंद्र, निधि चंद्राकर अध्यक्ष उड़ान नई दिशा, समाजसेवीका डॉ.सोनाली चक्रवर्ती, संस्थापक स्वयंसिद्ध समूह, पूर्व निगम पार्षद प्रेमचंद साहू, सौमेन कुंडू, सोनाली सेन, कवियत्री, समाज सेविका सरस्वती धानेश्वर, रसाली से वरिष्ठ समाजसेवी आनंद ने संपर्क क्रांति परिवार के कार्यों की प्रशंसा करते हुए समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर सुचित्रा नाथ, स्वरूपी, कृष्णा कुशवाहा, मोनिका साहू, अर्चना कश्यप, एंजिल विंग्स स्कूल के प्रतिनिधि सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति और सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अस्मिता बनर्जी ने करते हुए छत्तीसगढ़ के कला, साहित्य संस्कृति के संरक्षण संवर्धन में सभी से सहयोग और साथ देने की अपील की।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950